प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

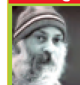

किसी से किसी भी तरह की प्रतिस्पर्धा की आवश्यकता नहीं है। आप स्वयं में जैसे है, एकदम सही है, खुद को स्वीकारिए। ओशो

वर्ष-03, अंक - 23 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 11 मार्च 2021 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

कमलनाथ सरकार जाने की पहली बरसी पर जनता को कांग्रेस बताएगी भाजपा की असलियत

भोपाल,एजेंसी। 2018 के विधानसभा चुनाव के बाद प्रदेश की सत्ता पर काबिज हुई कमलनाथ सरकार 20 मार्च 2020 को गिर गई थी, कमलनाथ ने 20 मार्च को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। अब सरकार के जाने के 1 साल पूरे होने पर 20 मार्च को कांग्रेस लोकतंत्र बचाओ दिवस मनाने की तैयारी में है। पार्टी पूरे प्रदेश में लोकतंत्र सम्मान दिवस मनाने और जिला ब्लॉक स्तर पर तिरंगा यात्रा निकालेगी।

कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष और संगठन प्रभारी चंद्रप्रभाष शेखर ने कहा, भाजपा ने 1 साल पहले कांग्रेस विधायकों की खरीद-फरोख्त कर चुनी हुई सरकार को गिराकर लोकतंत्र और संविधान का अपमान किया था, इसके जवाब में कांग्रेस पार्टी 20 मार्च को पूरे प्रदेश में लोकतंत्र सम्मान दिवस और तिरंगा यात्रा निकालेगी। पीसीसी उपाध्यक्ष चंद्रप्रभाष शेखर ने कहा, लोकतंत्र सम्मान दिवस के मौके पर निकाली जाने वाली तिरंगा यात्रा के समापन पर पीसीसी चीफकमलनाथ का संदेश भी सुनाया जाएगा, तिरंगा यात्रा का समापन हर शहर में गांधी, अंबेडकर या फिर जय स्तंभ पर पहुंचकर होगा।

मार्च 2020 में कांग्रेस विधायकों के सिंधिया के साथ दल बदलकर भाजपा में जाने के कारण कमलनाथ सरकार अल्पमत में आ गई थी और कमलनाथ ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद 23 मार्च को शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। कांग्रेस पार्टी सत्ता गंवाने के 1 साल बाद उसके विरोध में सड़क पर उतरेगी, पार्टी की कोशिश है कि, 1 साल पहले की भाजपा की साजिश को वो फिर से जनता को याद दिलाए। यही कारण है कांग्रेस पार्टी ने ब्लॉक से लेकर जिला स्तर तक बड़े आयोजन की तैयारी कर ली है।

शिवराज सिंह ने मंच से भरी हुंकार बोले- ये मैं हूं, ये मेरी सरकार है

भोपाल,एजेंसी। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने बड़े ही अनोखे अंदाज में पाकिस्तान की 'पावरी गर्ल' के तर्ज पर भू-माफियों पर हमला किया, जिसे लोग खूब पसंद कर रहे हैं। शिवराज सिंह .चौहान ने भरे मंच पर अनोखे अंदाज में कहा, ये मैं हूं, मेरी सरकार है, ये मेरी प्रशासनिक टीम है और आप देखो प्रदेश में भू-माफिया भाग रहे हैं।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मंगलावर को एक कार्यक्रम में शामिल हेने के लिए गए थे, जहां उन्होंने पाकिस्तान की 'पावरी गर्ल' के अंदाज में अपना संदेश दिया कि, प्रदेश में माफिया राज की अब खैर नहीं और सरकार उनके खिलाफसख्ती दिखाएगी। साथ उन्होंने यह भी कहा कि, प्रदेश में प्यार चलेगा लेकिन लव जिहाद नहीं चलेगा।

मोबलाइजर भर्ती आदेशों से लेकर चयन प्रक्रिया तक सब गोलमाल ही गोलमाल

उच्च न्यायालय में लगी याचिका के बाद 9 मार्च को विभाग ने अपने आप को बचाने के लिए किया स्थगन आदेश जारी

माही की गूंज, झाबुआ। संजय भटेवरा

किसी भी विभाग द्वारा भर्ती प्रक्रिया के आदेश जारी किए जाते हैं, जो पूरे मापदंड एवं गाईडलाइन के साथ भर्ती प्रक्रिया को करना होता है। जिसमें भी पंचायत स्तर से लेकर जिला स्तर तक ही नहीं अपितु संभाग व प्रदेश स्तर तक के अधिकारी उस भर्ती प्रक्रिया में भी सेंध लगाकर छोटी-बड़ी लचीली व्यवस्थाओं का दुरुपयोग कर आर्थिक लाभ के साथ भर्ती प्रक्रिया को अंजाम देते हैं, जिसके परिणाम कई बार सामने आए हैं।

वही वर्तमान में पंचायत राज संचालनालय मध्यप्रदेश के संचालक बीएस जामोद द्वारा 31 दिसंबर 2020 को पत्र क्रमांक 14904 का आदेश जारी कर मोबलाइजर चयन प्रक्रिया हेतु आदेश जारी किया था।

उक्त आदेश में कई विसंगतियां भर्ती प्रक्रिया के तहत स्पष्ट रूप से जाहिर हो रही थी, जिसमें मुख्य रूप से चयन प्रक्रिया में 12 वीं से लेकर कंप्यूटर डिप्लोमा, स्नातक की वरीयता के साथ अलग-अलग योग्यता एवं आरक्षण अनुसार अंक जोड़ने की प्रक्रिया के साथ वरीयता निर्धारित कर चयन प्रक्रिया को करना था। जिसमें आदेशानुसार 4 जनवरी से चयन प्रक्रिया शुरू कर पंचायत स्तर पर सूची बनाकर 7 जनवरी से अभ्यर्थियों के आवेदन पंचायत स्तर पर शुरू कर 18 जनवरी तक आवेदनों को प्राप्त किया जाना था। जिसके बाद पंचायत पर वरीयता के आधार पर सूची को चस्पा कर 6 फरवरी तक ग्राम पंचायत पर आपत्ति, दवा एवं 9 फरवरी तक प्रथम अपील ग्राम पंचायत में की जानी थी। समाधान नहीं होने पर द्वितीय अपील जनपद पंचायत पर 13 फरवरी तक व अंतिम अपील जिला पंचायत पर 16 फरवरी तक करना था। वहीं 16 फरवरी के बाद 22 फरवरी को मोबलाइजर के चयन हेतु अंतिम सूची 22 फरवरी को जारी कर 27 फरवरी तक कार्यभार संभालने की अंतिम तिथि जारी की थी। लेकिन पंचायत राज संचालनालय विभाग द्वारा जारी आदेश के साथ ही पूरी भर्ती प्रक्रिया उर्फ गोलमाल ही गोलमाल रही और आर्थिक लाभ लेने के चक्कर में अंक जोड़ने की प्रक्रिया में सेंध पर सेंध लगाकर ग्राम पंचायत स्तर से ही फर्जीवाड़े की प्रक्रिया शुरू हुई, वहीं अंतिम अपील 16 फरवरी तक भी आपत्ती एवं अपीलकर्ता अभ्यार्थियों का समाधान नहीं हुआ और कई पंचायतों में फर्जीवाड़े के मामले चयन प्रक्रिया में सामने आए। जिस पर जागरूकता दिखाकर कई अभ्यर्थियों ने उक्त मामले को समाचार पत्रों के माध्यम से उजागर किया।

जबलपुर हाईकोर्ट में लगी याचिका बनी सरकार के गले की हड्डी

उक्त चयन प्रक्रिया के उजागर होने के साथ ही जबलपुर हाई कोर्ट में मंडला के स्वछताग्राही संघ के प्रदीप किशोर व अभ्यर्थी जगदीश झारिया ने याचिका लगाई, जिस पर 15 फरवरी को हाई कोर्ट जबलपुर ने सुनवाई करते हुए याचिका पर फैसला आने तक मोबलाइजर चयन प्रक्रिया पर स्टे लगा दिया गया।

विभाग ने की बचकानी हरकत 24 फरवरी को चयन प्रक्रिया का नया आदेश किया जारी

उक्त हाई कोर्ट के स्टे आर्डर के बाद भी सरकार व पंचायत राज विभाग नहीं चेता और फिर से विभाग ने अपनी बचकानी हरकतों को जाहिर कर 24 फरवरी को विभाग ने पत्र क्रमांक 2573 से संचालक पंचायत राज संचालनालय भोपाल निधि निवेदिता ने आदेश जारी किया कि, उक्त जारी आदेश दिनांक तक जिन पंचायत ने मोबलाइजर वरीयता सूची का निर्धारण नहीं किया है वहां दिव्यांग अभ्यर्थी को 10 अंक अतिरिक्त वरीयता अंक में दिए जाने का आदेश पारित किया। जबकि 31 दिसंबर 2020 के आदेश अनुसार 22 फरवरी को ही चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी करना थी, तो फिर यह 24 फरवरी का आदेश कैसा? जो विभाग अपनी बचकानी हरकतों को जाहिर कर रहा है तो वही 24 फरवरी का आदेश सरकार के गले की हड्डी भी बन चुका है।

दिव्यांग अभ्यर्थी ने 10 अंक देने हेतु संचालनालय में की बात तो बताया, गलत आदेश जारी हुआ है, होगा स्थगन

24 फरवरी के नए आदेश के बाद झाबुआ जिले के पेटलावद के ग्राम अमरगढ़ के दिव्यांग अभ्यर्थी ने संचालनालय में सोमवार को 07552557727 पर फोन कर 10 अंक आदेशानुसार देने की बात कही, जिस पर बात करने वाले अधिकारी ने मोबलाइजर चयन प्रक्रिया का कार्य संभाल रहे किसी प्रफुल्ल जोशी का नंबर 8770239932 दिया, जिस पर बात की तो अभ्यर्थी को प्रफुल्ल जोशी नाम के अधिकारी ने स्पष्ट रूप से बताया कि, 24 फरवरी का जारी आदेश गलत जारी हो गया है, जबलपुर उच्च न्यायालय ने स्टे लगा दिया है तो अब हम भी एक-दो दिन में स्थगन आदेश जारी कर देंगे, वही अधिकारी ने यह भी बताया कि, सरकार न्यायालय में जीती तो भर्ती प्रक्रिया जारी रहेगी व याचिकाकर्ता जीत गए तो पूर्ण रूप से चयन प्रक्रिया स्थगित हो जाएगी।

विभाग के जारी आदेश व धूल-मूल व्यवस्थाएं कितनी चरम पर है, यह उक्त मोबलाइजर प्रक्रिया में स्पष्ट हो रहा है। नतीजन 9 मार्च मंगलवार को पंचायत राज संचालनालय भोपाल के संचालक बीएस जामोद ने पत्र क्रमांक 3517 से आदेश जारी कर उच्च न्यायालय का हवाला देकर प्रकरण क्रमांक डब्ल्यूपी 2825/2021 दिनांक 15 फरवरी का हवाला देकर आरजीएसए अंतर्गत चयन प्रक्रिया का स्थगन किया गया।

गूंज असर

दिव्यांग अभ्यर्थी ने गूंज को बताया कि, मोबलाइजर चयन प्रक्रिया के फर्जीवाड़े को प्रमुखता के साथ माही की गूंज ने उजागर किया और उसी हिम्मत के साथ भोपाल पंचायत राज संचालनालय में बात की तो बात करने वाले अधिकारी पूरी तरह से बौखलाए हुए थे, जो उनकी बातों से ही स्पष्ट हो रहा था। माही की गूंज में समाचार प्रकाशित होने, हाईकोर्ट में लगी याचिका, संचालनालय में बात करने के बाद विभाग हरकत में आया और 9 मार्च को संचालनालय से स्थगन आदेश भी जारी हो गया, जिसका श्रेय कहीं न कहीं माही की गूंज को जाता है, अभ्यार्थी ने कहा।

जबलपुर उच्च न्यायालय द्वारा मोबलाइजर भर्ती प्रक्रिया पर जारी स्टे।

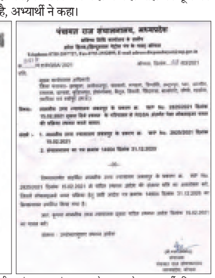

पंचायत राज संचालनालय भोपाल द्वारा मोबलाइजर भर्ती प्रक्रिया पर जारी स्थगन आदेश।

समर्थकों ने उठा दी सिंधिया को मुख्यमंत्री बनाने की मांग

इंदौर। ज्योतिरादित्य ने पहले कांग्रेस की कमलनाथ सरकार गिराई फिर भाजपा का साथ देकर शिवराज को मुख्यमंत्री बनवाया और अब चाहते हैं कि, महाराज ही मुख्यमंत्री बनें। दलबदल कर भाजपा में शामिल हुए सिंधिया समर्थक इसी दिशा में बढ़ रहे हैं। मौका स्व.माधवराव सिंधिया की जयंती का था लेकिन चर्चा में हैं ज्योतिरादित्य सिंधिया, समर्थकों ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाने की मांग उठा दी है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीजेपी में शामिल होने के बाद अब उनके समर्थक उन्हें मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री बनते देखना चाहते हैं। यही वजह है कि, आज पूर्व केन्द्रीय मंत्री और कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे उनके पिता स्व. माधवराव सिंधिया की जयंती पर एक बार फिर ये मांग उठी कि, ज्योतिरादित्य सिंधिया को मुख्यमंत्री बनाया जाए।

सात वर्ष पहले स्वीकृत हुई पानी की टंकी चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट, 24 लाख में एक बूंद पानी नहीं

33 लाख की नई पेयजल योजना स्वीकृत, 24 लाख का हिसाब कौंन देगा? ये बड़ा सवाल

माही की गूंज, पेटलावद।

विकासखण्ड के ग्राम मठमठ में शासन द्वारा पेज जल व्ययस्था हेतु लगभग 24 लाख रूपए की लागत से पानी की टंकी और पूरी पंचायत में पाईप लाइन बिछाकर पानी पहुंचाने की योजना सात वर्ष पूर्व स्वीकृत हुई थी। उक्त कार्य को पीएचई विभाग की देख-रेख में पूर्ण किया जाना था, लेकिन योजना के स्वीकृत होने के सात से आठ वर्ष बाद भी आलम ये है कि, उक्त योजना में बनी 24 लाख की टंकी और पाइप लाइन से एक बूंद पानी भी सप्लाई नही किया गया और पूरी योजना की राशि मे बंदरबाट हो गई। एक के बाद एक सात गर्मी निकल चुकी है, लेकिन मठमठ के ग्रामीणों की पीने के पानी की समस्या जस की तस बनी हुई है। मामले की शिकायत मठमठ निवासी महेश पोरवाल द्वारा सीएम हेल्पलाइन पर दिसम्बर 2019 से कर रखी है।

पुरानी जर्जर टंकी जिससे सात साल बाद भी पानी सप्लाई नहीं हुआ।

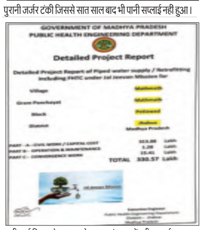

GOVERNMENT OF MADHYA PRADESH
PUBLIC HEALTH ENGINEERING DEPARTMENT
Detailed Project Report

पीएचई विभाग के माध्यम से मठमठ पंचायत में स्वीकृत हुई 33 लाख की नई नल जल योजना।

33 लाख की नई योजना हुई स्वीकृत, नए स्थान पर लगेगी टंकी

शिकायत के निराकरण के लिए पीएचई ने मठमठ पंचायत में नई 33 लाख से अधिक की पानी की टंकी और पाइप लाइन की योजना स्वीकृत कर दी, जो अब नए स्थान पर पानी की टंकी बनाई जाएगी। ग्राम पंचायत और पीएचई के बीच उलझी लाखों की योजना में भ्रष्टाचार देखकर लगता है कि, अगर नई योजना के निर्माण में लापरवाही और भ्रष्टाचार किया गया तो, मठमठ के ग्रामीण एक बार फिर लाखो की नई योजना का लाभ नही ले पाएंगे। अब सात साल बाद भी मठमठ के ग्रामीण पानी की टंकी की और आशा भरी निगाहों से दखते है कि, एक दिन यहां से ग्रामवासियों को सुचारू रूप से पानी मिल पाएगा।

कलेक्टर पर विश्वास और अधिनस्तो पर आवेदकों का अविश्वास जनसुनवाई पर लगा रहा प्रश्न चिन्ह

कलेक्टर की अनुपस्थिति को देखकर कई लोग आवेदन दिए बगैर ही लौट जाते है जनसुनवाई से

माही की गूंज, झाबुआ। मुजम्मील मंसूरी

मध्यप्रदेश सरकार की महत्वकांक्षी योजनाओं में से एक जनसुनवाई इन दिनों जिले में विश्वसनीयता की दो धारी तलवार पर लट रही है। वैसे पिछले कई सालों से चल रही इस योजना से कई लोगों को फायदा हुआ तो कई इसके भंवरजाल में उलझ कर धक्के खाते रह गए। कहीं न्याय मिला तो कहीं कागजी घोड़े दौड़ा दिए गए। जिले में यूं तो कई कलेक्टरों की आवक-जावक लगी रही कुछ कड़क थे तो कुछ ढीले, लेकिन जनसुनवाई कार्यक्रम को उनके प्रशासनिक अमले व अधिनस्तों ने खूब मेंटेन किया। कहीं हथेली में दिल्ली दिखाई तो कहीं अगूंठे को कुतुब मीनार बताया। कई मामलों में कार्रवाई निराकरण तक पहुंची तो कई मामलों में अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई में और जमीनी हकीकत में अंतर दिखाई दिया। यूं तो जनसुनवाई हर मंगलवार हर विभाग में करने के निर्देश है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि यह कार्यक्रम अब कुछ ही कार्यालयों में सिमट कर रह गया है। लगभग सभी विभागों व कार्यालयों में इस कार्यक्रम का नामोंनिशा मिट चुका है। अब इक्का-दुक्का कार्यालयों पर ही केवल एक पट्टीका दिखाई देती है, जिसमें लिखा होता है 'जनसुनवाई हर मंगलवार को इतने से इतने बजे तक होती है'। जनसुनवाई का यह कार्यक्रम अब तहसील स्तर पर एसडीएम कार्यालयों व जिला स्तर पर कलेक्टोरेट कार्यालय में ही आयोजित किया जाता है। जनसुनवाई कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक अमले का जो रवैया है वह बहुत ही ढीला व लापरवाही भरा है। तहसील स्तरों पर शिकायतों का निराकरण न होने पर आवेदक सीधे जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाली कलेक्टर की जनसुनवाई की ओर रूख करते है। बावजूद उसके इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं होती कि आवेदन का निराकरण कितने दिनों में होगा, होगा भी या नहीं? मंगलवार को आयोजित होने वाली जिलामुख्यालय की जनसुनवाई में जिले के ठेठ आखरी कोने के आवेदकों को भी आसानी से देखा जा सकता है। जिला मुख्यालय से इनके गांव की दूरी कभी-कभी 100 किलोमीटर से भी अधिक होती है। यह लोग सिर्फ आस में जिला मुख्यालय की जनसुनवाई में आते है कि कलेक्टर के समक्ष अपने परेशानी रख सकें, लेकिन कलेक टर साहब का अधिनस्थ अमला साहब की अनुपस्थिति में आवेदकों को आवेदन लेकर चलता कर देता। हालांकि कलेक्टर द्वारा जनसुनवाई में आए मामलों की हर सप्ताह समीक्षा की जाती और अधिकारियों को आए आवेदनों का निराकरण जल्द करने की हिदायत व चेतावनी भी दी जाती। बावजूद इसके निराकरण नही होने पर अधिकारियों को नोटिस भी थमाए जाते और जुर्माना भी लगाया जाता है।

बावजूद इसके जिला मुख्यालय की जनसुनवाई में आने वाले आवेदकों का विश्वास सिर्फ कलेक टर पर ही रह गया है। हालांकि जनसुनवाई में कलेक्टर की अनुपस्थिति में अधिनस्त हमला जनों की सुनवाई करते हुए उनके आवेदन लेकर उन्हे अगली तारीख देकर रवाना कर देता। और प्रशासनिक अमले द्वारा लगातार उपयोग में लाई जा रही इसी प्रक्रिया का नतीजा अब सामने आने लगा है। जिला मुख्यालय की जनसुनवाई में कई किलोमीटर दूर से आने वाले आवदेक जनसुनवाई में कलेक्टर के आने का इंतजार ही करते रहते है। वे जनसुनवाई में उपस्थित अधिकारियों को अपना आवेदन देना उचित नहीं समझते। या यूं कहें कि वे कलेक्टर के अधिनस्थ अमले व प्रशासनिक अधिकारियों पर विश्वास नहीं करते। उन्हे ऐसा लगता है कि कलेक्टर के हाथों में आवेदन जाएगा तो कार्रवाई होगी नहीं तो दूसरे अधिकारी उन्हे चक्कर ही खिलाते रहेंगे। बीते मंगलवार को हुई जनसुनवाई में ऐसे ही कुछेक मामले देखने को मिले। एक आवेदनक पेटलावद तहसील मुख्यालय से तो एक बालिका जिले की सीमा पर बहने वाली माही नदी के किनारे से सिर्फ इस उम्मीद से जिला मुख्यालय पर आए थे कि कलेक्टर को जनसुनवाई में आपने आवेदन देंगे, लेकिन कलेक्टर के जनसुनवाई में ना आने के कारण ये दोनों आवेदक बिना आवेदन दिए ही जनसुनवाई से लौट गए। हालांकि उनके आवेदनों की एन्ट्री कलेक्टोरेट कार्यालय के मुख्य द्वार पर कर ली गई, लेकिन आवेदन अंदर जनसुनवाई में पहुंचा ही नहीं।

हालांकि यह अलग मुद्दा है कि कलेक्टर साहब जनसुनवाई में किन करणों के चलते नहीं पहुंचे या कन्नी काट गए। जबकि वे अपने कक्ष में मौजूद थे। साहब ने जनसुनवाई का समय निकल जाने के बाद अधिकारियों की बैठक भी सभाकक्ष में न लेते हुए अपने कक्ष में ही ली। ऐसा करने का कारण कुछ लोग यह बताते है कि पिछले दिनों हुई एक घटना कुछ ऐसी घटी थी कि साहब जनसुवाई में नहीं आए कई आवेदक उनक इंतजार कर के चले गए, लेकिन एक आवेदक समय निकलने के बाद भी वहीं साहब के इंतेजार में डटा रहा। जनसुनवाई के बाद होने वाली अधिकारियों की बैठक लेने कलेक्टर साहब पहुंचे तो उस आवेदक ने बैठक के बीच ही साहब को आवेदन देने की जिद की। बस फिर क्या था साहब ने बैठक के बीच ही अधिकारियों के सामने आवेदक की लू उतार दी। अब इसे आवेदक का अतिविश्वास कहें या साहब का औछापन, लेकिन अब भी जिले के कई आवेदक इसी उम्मीद से आते है कि कलेक्टर से मुलाकात कर आवेदन देंगे और अपनी समस्या सुनाएंगे। मगर उन्हे यह नहीं पता कि साहब की अनुपस्थिति उनके इतनी दूर से आने को निरंक कर देगी। कलेक्टर की जनसुनवाई में अनुपस्थिति का फायदा अधिकारी भी खूब उठाते। कई अधिकारी फोन पर कलेक्टोरेट कार्यालय में मौजूद अपने गुर्गे कर्मचारियों से यह खबर लेते रहते है कि साहब कितनी देर में आने वाले है, या नहीं आने वाले है। और इसी के आधार पर वे जनसुनवाई में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करते। साहब नहीं आए तो ये भी जनसुनवाई से नदारद नजर आते है। साहब लेट तो ये भी लेट। साहब टाईम पर तो ये भी टाईम पर। वो कहावत भी है कि छोटा बड़े को जैसा करते देखता है वैसा ही वह भी करता है। हमने पिछली गई जनसुनवाईयों में देखा की कलेक्टर जनसुनवाई में नदारद कई अधिकारियों को नोटिस जारी करते और जुर्माना भी लगाते, लेकिन अब तो कहानी खुद कलेक्टर की है, अब क्या होगा? साहब की अनुपस्थिति पर कौन नोटिस जारी करेगा या कौन जुर्माना लगाएगा। लेकिन यह तय है कि आवेदक का कलेक्टर पर विश्वास और अधिनस्तों पर अविश्वास जनसुनवाई पर प्रश्न चिन्ह लगाता नजर आ रहा है।

झूठी खबरें जारी करता है पीआरओ रावत

मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर की अनुपस्थिति होने के बावजूद पीआरओ रावत द्वारा जारी किए गए प्रेस नोट में सीधे-सीधे यह कहा गया कि 'कलेक्टर ने ली जनसुनवाई, 80 आवेदन पत्र प्राप्त'। विडंबना यह कि पीआरओ खुद जनसुनवाई में मौजूद नहीं थे, उनके द्वारा जारी किए गए प्रेस नोट में जिस तरह से कलेक्टर की उपस्थिति बताई गई, उससे तो यही लग रहा है कि पीआरओ रावत कलेक्टर के लिए गोदी मीडीया का काम कर रहा है। हालांकि मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर उपस्थित नहीं थे। बावजूद इसके पीआरओ द्वारा इस तरह का प्रेस नोट जारी करना कहां तक सही और सोने पर सुहागा यह की जारी किए गए प्रेसनोट के साथ पीआरओ ने फोटो भी जारी किया। जिसमें कलेक्टर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अपनी कुर्सी बैठे हुए हैं। जब हमने जारी प्रेस नोट की सत्यता का पता लगाने की कोशिश की तो पता चला कि यह सरासर झूठ है। क्योंकि मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में कलेक्टर थे ही नहीं। पीआरओ द्वारा जारी किया गया प्रेस नोट व फोटो बिल्कुल झूठ है। प्रेस नोट के साथ जारी फोटो उसी दिनांक का है मगर फोटो क्लिक का समय जनसुनवाई के समय से मैच नहीं हो रहा है। जो फोटो पीआरओ ने प्रेसनोट के साथ भेजा है वह 9 मार्च मंगलवार का ही है मगर फोटो क्लिक का समय शाम 4 बजकर 49 मिनट 11 सेकेंड है। यह फोटो है तो कलेक्टोरेट सभाकक्ष का लेकिन किसी और मिटिंग या कार्यक्रम का। पीआरओ द्वारा जारी खबर इसलिए भी झूठी साबित होती है क्योंकि जनसुनवाई के समय यह प्रतिनिधि तथा और भी प्रेस के कई साथी कलेक्टोरेट में ही मौजूद थे। जनसुनवाई के बाद साहब ने अधिकारियों की बैठक लेना थी। किंतू उन्होने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में न आते हुए अधिकारियों को अपने कक्ष में ही बुलवा लिया।

अलस्याखेड़ी पंचायत के ग्रामीणों ने लगाई पुलिया निर्माण की गुहार

2018 में स्वीकृत पुल के पैसे निकालकर खा गई पंचायत

ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार चरम पर, कार्रवाई की उठ रही मांग

माही की गूंज, पेटलावद।

विकास खण्ड की ग्राम पंचायतो में बिना कार्य किए फर्जी बिल लगाकर कार्य पूर्ण बताकर भ्रष्टाचार करने का कोई नया मामला नही है, विकास खण्ड की हर दूसरी पंचायत में ऐसे फर्जी कार्य होने की जानकारी मिल चुकी है और शिकायते होकर जांच में पाया भी गया कि, शासकीय कार्यो में फर्जीवाड़ा हुआ है लेकिन कार्रवाई के नाम पर मामला घुमा दिया जाता है, कभी वसूली तो कभी कार्रवाई के नाम के नोटिस जारी कर उनकी आड़ में लेन-देन कर मामले फाइलों में ही दबा दिए जाते है।

ऐसा ही मामला ग्राम पंचायत अलस्याखेड़ी में सामने आया है जहां ग्रामीण ईश्वर निनामा, दल्ला निनामा, रायचंद और पूना मकना ने शिकायती आवेदन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद को सौंपते हुए बताया कि, ग्राम पंचायत द्वारा शासकीय कार्यो में भ्रष्टाचार किया जा रहा है।

पुलिए और चबूतरे की राशि खा गई पंचायत, ग्रामीण हो रहे परेशान

शिकायतकर्ताओ ने बताया कि, ग्राम पंचायत अलस्याखेड़ी के नवापाडा फलिए में जनपद निधि से नहर पर चार लाख रुपए का पुलिया निर्माण 14 अप्रेल 2108 में स्वीकृत किया गया था, लेकिन पंचायत ने बिना पुलिया बनाए पूरी राशि डकार ली और तीन साल बाद भी मौके पर कोई कार्य नही हुआ। ग्रामीणों का आरोप है कि, ऐसी दयनीय स्थिति के बाद भी पंचायत ने निर्माण कार्य नही शुरू किया तो ग्रामीणों ने जन सहयोग से चद्दर का पुलिया बनाया था, जो अब टूट गया है और इस टूटे पुल में गिरने से एक बकरी और एक गाय की मौत भी हो चुकी है, बारिश में मार्ग पुल नही होने के कारण बन्द ही हो जाता है। इसी प्रकार जनपद पंचायत के माध्यम से राज्य वित्त आयोग की राशि से 26 जनवरी 2018 में एक लाख की लागत का चबूतरा स्वीकृत हुआ था जिसमें भी मौके पर एक पैसे का कार्य नही किया गया।

सचिव-सरपंच द्वारा नही दी जाती जानकारी, पंचायत में कई गंभीर मामले

ग्रामीणों का आरोप है कि, जब भी स्वीकृत हुए कार्यो के नही बनने की जानकारी ली जाती है तो सरपंच-सचिव द्वारा कोई जानकारी नही दी जाती और कार्य करवा देंगे बोलकर पल्ला झाड़ लेते है। शिकायत में बताया गया कि, पंचायत में ऐसे कई कार्य है जो या तो अधूरे पड़े है या फिर किए ही नही गए है और उनकी राशि निकाल ली गई है। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत में विकास कार्यो के नाम पर हुए भ्रष्टाचार की जांच और सरपंच-सचिव पर कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिया निर्माण की मांग की है।

लिखित में आश्वासन देने के बाद भी नहर में नही छोड़ा पानी, कई किसानों की फसल हुई बर्बाद

अब मुआवजे की मांग को लेकर कलेक्टर के पास पहुंचे किसान

माही की गूंज, पेटलावद।

करोड़ो खर्च कर बिछाई गई माही परियोजना में नहर का लाभ पूरी तरह से क्षेत्र के किसानों को नही मिल पा रहा है। डेम में प्रयाप्त पानी होने के बाद भी फसल पकने के अंतिम समय मे नहरें बन्द कर दी जाती है, जिससे अन्नदाता की फसल पकने के बाबजूद खराब हो जाती है। पेटलावद विकासखण्ड के अलग-अलग क्षेत्रो से किसानो को माही नहर से फसलों को पानी नही मिलने के कारण प्रदर्शन कर सड़क पर आना पड़ा फिर भी किसानों को पानी नही मिला, जिससे उनकी फसल भारी मात्रा में बर्बाद हो गई। कोरोडो की सिंचाई परियोजना को संचालित करने वाले परियोजना अधिकारियों की मनमानी व लापरवाही की भेंट चढ़ चुकी है।

इस तरह खराब हो गई गेहू की फसल पानी नही होने से।

पेटलावद विकासखण्ड के कोदली, उन्नई, नाहरपुरा, खोरिया, झोसर, मातापाड़ा, भेरूपाड़ा, रूपगढ़, गोपालपुरा, मोई, बेड़दा सहित कई गांवों के किसानों ने नहर बन्द होने से फसल खराब होने की आशंका व्यक्त करते हुए नहर में पानी छोड़ने की मांग की थी। माही परियोजना अधिकारियों ने बैठक कर किसानों को 24 और 26 फरवरी को समय तयकर पानी नहर में छोड़ने का आश्वासन भी दिया, लेकिन पानी नही छोड़ा गया। लिखित आश्वासन के बाद भी पानी नही मिलने से त्रस्त किसानों ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को जनसुनवाई में 2 मार्च फिर से आवेदन देकर पानी की मांग की लेकिन यहां से भी कोई सुनवाई नही होने के कारण नहर की जद में आने वाले सेकड़ो किसानों की फसल एक पानी के अभाव में लगभग बर्बाद हो गई।

सुखी पड़ी नहरे।

किसानों ने कलेक्टर के सामने रखी मुआवजे की मांग

पर्याप्त पानी होने के बाद भी नहर से पानी नही मिलने से कई किसानों की फसल लगभग खराब हो गई है, कई बार मांग करने के बाद भी लापरवाह अधिकारी पानी देने के लिए कोई प्रयास करते नजर नही आए। अब किसान अपनी खराब हुई फसल के लिए मुआवजा देने की मांग को लेकर कलेक्टर के पास पहुंच गए।

किसान नेता कलसिंह भूरिया ने बताया कि, मंगलवार को किसानों के साथ जनसुनवाई में पहुंचकर माही परियोजना के अधिकारियों की लापरवाही के चलते खराब हुई फसल के लिए किसानों को मुआवजा दिए जाने की मांग की है, जिस उद्देश्य से सरकार ने करोड़ों रूपए खर्च किए यदि वह उद्देश्य पूरा नही हो रहा तो ऐसी योजना का क्या लाभ।

किसानों का आरोप है कि, परियोजना से जुड़े अधिकारी मनमानी और पक्षपात पूर्ण तरीके से पानी नहर में छोड़ते है और समय से पूर्व ही नहरे बन्द कर देते है, जिसका खामियाजा गरीब किसानों को अपनी फसल बर्बाद कर के चुकाना पड़ता है। ऐसे लापरवाह अधिकारी जिन्होंने समय रहते किसानों की समस्या पर ध्यान नही दिया उन पर भी कार्रवाई होनी चाहिए।

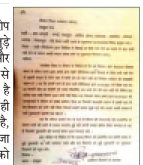

किसानों द्वारा कलेक्टर से लगाई मुआवजे की गुहार।

असामाजिक तत्वों ने मंदिर की मुर्तियों को क्षतिग्रस्त कर इंसानियत को किया शर्मसार

माही की गूंज, बड़नगर।

नगर में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा गत दिवस में डाबरी में स्थित गणेश जी की मुर्ति को आग लगाकर नुकसान पहुंचाया था जिसके तीन दिन के बाद दोबारा डायवर्सन रोड पेट्रोल पंप के समीप हनुमान मंदिर की मुर्ति को केमिकल द्वारा जलाया गया। जिससे हिंदूवादी संगठनों में भारी आक्रोश दिखाई दिया। उक्त घटनाओं से आक्रोशित हिंदूवादी संगठनों ने कोर्ट चौराहे पर चक्का जाम किया गया और संगठनों ने अनिश्चित रूप से नगर बंद का आह्वान किया, नगर के सभी प्रमुख मार्गो को बंदकर कड़ी आरोपीयों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। तत्पश्चात् उज्जैन पुलिस कप्तान सतेंद्र कुमार शुक्ला ने आश्वासन दिया है कि, आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेंगे, वहीं बड़नगर टीआई सतनाम सिंह चौधरी को हटाया गया।

बड़नगर में प्रमुख मार्गो पर चक्का जाम रहा पूरे नगर की सभी दुकानें बंद रही, जुलूस निकाले गए कई जगह पथराव हुआ और बसे बंद रही। हनुमान मंदिर पर भव्य संध्या आरती कार्यक्रम रखा गया, जहां हनुमान जी को चोला चढ़ाकर आरती महाकाल सेना झाझ डमरू के साथ की गई, जिसमें बडी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अवकाश के दिनों में खुले रहेगें कार्यालय

माही की गूंज, झाबुआ।

महानिरीक्षक पंजीयन के निर्देशानुसार जिले में जिला पंजीयक तथा उप पंजीयक कार्यालय में दस्तावेजों के पंजीयन कार्य में अधिक सुविधा देने के लिए व शासन के राजस्व को दृष्टिगत रखते हुए माह मार्च में 13, 14, 20, 21 तथा 28 को अवकाश दिवसों में खुले रहेगें।

बाईक चोर सक्रिय तो पुलिस कुम्भकर्णी नींद सोई

माही की गूंज, खवासा।

खवासा में चोर की सक्रियता ऐसी है कि, वह पुलिस को चुनौती देकर आए दिन वाहन चोरी को अंजाम दे रहे हैं।

बता दे कि, खवासा एवं क्षेत्र से चार पहिया ट्रैक्टर एवं ट्राली के साथ कई दो पहिया वाहनों की चोरी हो गई, परंतु पुलिस ने एक भी चोरी का खुलासा अपने बलबूते पर नहीं किया, वही इन चोरियों की एफआईआर भी पुलिस दर्ज नहीं करती है। चुंकी कई चोरियां होने के बाद भी पुलिस का रिकॉर्ड दुरुस्त रखा जा रहा है, नतीजन दिन पर दिन चोट्टो के हौसले बुलंद ही होते जा रहे हैं और पुलिस कुम्भकर्णी की नींद में सोई हुई है।

सोमवार-मंगलवार की रात्रि में भी दो से अधिक चोट्टो ने बाइक चोरी को अंजाम देने का प्रयास किया। जिसमें राजेश जाट की बाइक तलाई मोहल्ले में स्थित उसके फार्म हाउस से तो दूसरी गोपाल कॉलोनी में संजय राजू चोपड़ा की बाइक चोर चोरी करने में सफल हो गए। वहीं एक बाइक को कुछ दूरी पर घिसकर ले गए पर उसके चेन-ताले नहीं टूटने से चोर उस गाड़ी को चोरी कर ले जाने में असफल रहे।

उक्त बाइक की चोरी के बाद पुलिस दो दिनों में अपराधी को पकड़कर बाइक चोरी का खुलासा करने की बात माही की गूंज प्रतिनिधि से कहीं एवं पुलिस ने कहा कि, चोरी का त्वरित समाचार प्रकाशित होने से चोर सक्रिय हो जाते हैं इसलिए पुलिस कार्रवाई में कोई बाधा न आए इसके लिए दो दिनों तक समाचार प्रकाशित नहीं करने का आग्रह किया। जिसके तहत माही की गूंज ने दो दिनों तक समाचार प्रकाशित नहीं किए और पुलिस की सहायता उनके कहे अनुसार की, लेकिन पुलिस अपने वादे पर खरी नहीं उतरी। फोर्स ने दो दिन गुजर जाने के बाद भी समाचार लिखे जाने तक बाइक चोरी का खुलासा नहीं किया। अब देखना है कि, दो दिनों में चोरी का खुलासा करने वाली पुलिस कितने दिनों में खुलासा कर पाती है या पूर्व की तरह कुम्भकर्णी की नींद में ही सोई रहेगी।

राजमाता का हुआ स्वर्गवास, लोगों ने नम आंखों से दी विदाई

माही की गूंज, सारंगी।

राजमाता तारा कुंवर के निधन से पूरे नगर में शोक छाया रहा, नगर के सभी प्रतिष्ठान शोक स्वरूप बंद रहे, स्व. श्री ठाकुर अजीत सिंह रावले साहब की धर्मपत्नी मध्य प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री भारत सिंह, जावरा जिला पंचायत उपाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह राठौर की भाभीसा एवं वर्तमान रावले ठाकुर वीरभद्र सिंह राठौर की माता श्री का स्वर्गवास सोमवार को हो गया था। उनकी अंतिम यात्रा निवास स्थान ठिकाना सारंगी से राजघराना मुक्तिधाम पर पहुंची, अंतिम यात्रा में हजारों का जनसैलाब उमड़ा, अंतिम यात्रा में सारंगी नगर के आस-पास के डाबड़ी, बोड़ायता, मोहनपुरा, गंगाखेड़ी, जामली, बड़ा सलूनीयां, झकनावदा, बावड़ी, बरवेट, मोटा पाला, रतलाम, करवड़, टैमेरिया आदि कई स्थानों के लोग अंतिम यात्रा में शामिल हुए। अंत्येष्टि कार्यक्रम राजघराना मुक्तिधाम पर पंडित नरेंद्र शर्मा ने मंत्रोचार के साथ संपन्न कराया। मुक्तिधाम पर नगर के वरिष्ठ नागरिक, सभी समाज वर्ग के लोगों ने एवं नगर पत्रकार संघ ने पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि दी।

गूंज असर

भ्रष्ट प्रबंधक पर खाद्यान्न की हेरा-फेरी करने पर गिरी गाज

कार्रवाई व जांच को प्रभावित करने का अथक प्रयास कर रहा चैनसिंह

माही की गूंज खवासा/भामल, विजय पाटीदार/नारायण पालरा

भामल की आ.जा. सहकारी संस्था में प्रबंधक के पद पर पदस्थ रहा चैनसिंह राठौड़ एक ऐसा नाम है, जो संस्था व उपभोक्ताओं को अपने भ्रष्टाचार के साथ एक से बढ़कर एक कारनामे कर चूना लगा-लगाकर अपने लाखों के व्यारे-न्यारे किए। पूर्व में भृष्ट चैनसिंह की कई शिकायतें भी हुई परंतु सदैव नेताओं के तलवे चाटकर एवं अधिकारियों से सांठ-गांठ कर अपनी काली कमाई का हिस्सा दे-देकर सदैव बचता आया है और भामल में आ-आकर मुछो पे ताऊ दे-देकर खुलेआम कहता रहा है कि, मेरा कोई क्या बिगाड़ सकता है मैं चाहे कुछ भी करूं पर मेरा कुछ नहीं बिगड़ने वाला। इतना ही नहीं चैनसिंह राठौड़ एक ऐसा नाम है जिसने भामल ही नहीं खवासा की आ.जा. सहकारी संस्था में चूना लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ी, अपने ही सगे बड़े भाई भगवान सिंह राठौर की पत्नी यानी चैनसिंह की सगी भाभी श्रीमती धापू बाई जिसने कभी खवासा की आ.जा. सहकारी संस्था का मुंह तक नहीं देखा था, साथ ही चैनसिंह के भतीजे विक्रमसिंह और नाहरसिंह तीनों के नाम से साथ में 2012 को प्रथक-प्रथक फर्जी खाते खोल क्रमशः 1 लाख 40 हजार रूपए कुल 4 लाख 42 हजार रुपए शाखा से फर्जी रूप से चेक क्र. 72627, 72623 और 72624 जारी कर राशि आहरण कर ली गई। जिसकी संस्था द्वारा ऋण माफी की सूची चस्पा होने के पूर्व तक मां एवं दो पुत्रों को किसी प्रकार की कोई उगाई या रिकवरी के लिए कोई नोटिस तालीम नहीं किया, जबकि कमलनाथ सरकार की किसान ऋण माफी सूची ग्राम पंचायत पर चस्पा हुई, जिसमें कर्जदार के रूप में धापू बाई, पुत्र विक्रमसिंह व नाहरसिंह का नाम होकर दो-दो लाख रुपए की ऋण माफी सूची देखने पर पता चला कि, किसी ने फर्जी खाते खोल कर तीनों के नाम से जीरो प्रतिशत ब्याज से मिलने वाला ऋण फर्जी रूप से आहरण किया गया है। जिसके बाद झाबुआ कलेक्टर कार्यालय में भगवान सिंह राठौड़ ने 5 मार्च 2019 को जनसुनवाई में शिकायत क्र. 47984 पर उसकी पत्नी व दो पुत्रों के नाम से निकाली गई फर्जी ऋण राशि की जांचकर फर्जी रूप से आहरण करने वाले व्यक्ति एवं अधिकारी, कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई हेतु शिकायत की गई थी, परंतु विभाग से लेकर पुलिस तक मामले में जांच की इतना ही नहीं भगवान सिंह एवं परिवार ने अपने कथन भी चैनसिंह द्वारा ही फर्जी राशि संस्था से आहरण की है, दे चुके है। परंतु चैनसिंह ने कांग्रेस व भाजपाइयों के तलवे चाटकर अधिकारियों के साथ सांठ-गांठ कर मामले को अभी तक ठंडे बस्ते में डाल दिया।

भ्रष्टाचार करने का आदि है चैनसिंह, अपनी ही गाड़ी में की खाद्यान्न की हेरा-फेरी

3 मार्च को अपनी ही कार क्र. एमपी 45 सी 0647 से सेल्समैन को आदेश देकर शाखा प्रबंधक चेनसिंह ने अपनी गाड़ी में बाजरा के कट्टे डिक्की में व खाली बारदान गाड़ी में रख, खाद्यान्न और खाली बारदान की हेरा-फेरी करने का मामला माही की गूंज ने पिछले अंक 4 मार्च को ''आ.जा. सहकारी संस्था का मैनेजर चैनसिंह दिन-दहाड़े खाद्यान्न और खाली बारदान की कर रहा हेरा-फेरी'', ''मामला उजागर होने पर मैनेजर के साथ सेल्समैन भी आया हरकत में'' शीर्षक के साथ समाचार प्रमुखता से प्रकाशित किया था।

संस्था में अपना कब्जा जमाकर बैठा भ्रष्ट चैनसिंह।

सूर्य कुमार तोमर जांचकर्ता अधिकारी।

उक्त समाचार प्रकाशित होने के बाद अधिकारी हरकत में आए और 5 मार्च को ही जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित झाबुआ शाखा बामनिया के प्रबंधक ने आ.जा. सहकारी संस्था के प्रबंधक चैनसिंह राठौर के संबंध में आदेश जारी कर चेनसिंह को संस्था प्रबंधक के पद से हटाया जाए का आदेश पत्र क्रमांक 138/2020-21 से जारी किया। आदेश में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया कि, 4 मार्च को माही की गूंज समाचार पत्र में प्रकाशित चैनसिंह राठौर द्वारा आ.जा. भामल की सामाजिक वितरण प्रणाली दुकान भामल से अवैध रूप से खाद्यान्न एवं खाली बारदान निजी उपयोग हेतु परिवहन करते हुए पाया गया है, जो कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली आवश्यक अधिनियम के अंतर्गत अपराध की श्रेणी में आता है। अतः संस्था प्रबंधक के पद से चैनसिंह को हटाया जाए तथा संस्था का चार्ज प्रभारी कमलेश कुमार पाटीदार को अन्य व्यवस्था होने तक संस्था का प्रभार प्रदान कराया जाए, का आदेश पारित किया। साथ ही आदेश में विगत 3 वर्ष से बारदान एवं खाद्यान्न का स्टाक वितरण 7 दिवस में जांचकर जांच प्रतिवेदन शाखा में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

एक सप्ताह के बाद भी अधिकारी के पास नहीं आया जवाब?

चैनसिंह द्वारा की गई खाद्यान्न की हेरा-फेरी मामले में चैनसिंह को भले ही हटाने के आदेश जारी कर दिए हो, परंतु चैनसिंह के भ्रष्टाचार एवं उसकी सांठ-गांठ के आगे ऐसे आदेश सरेआम डस्टबिन की टोकरी में डालकर अपने आपको कलेक्टर से बड़ा मान अपनी ताकत को सार्वजनिक प्रदर्शित कर अधिकारियों को भी अपनी पैरों की जूती मानकर अपने पद पर पदस्थ होकर कार्यकर जाच को भी प्रभावित करने का प्रयास कर, इस मामले में भी नेताओं के तलवे चाटकर बचने का भरचक प्रयास भ्रष्ट मुछधारी चैनसिंह कर रहा है।

मामले में आदेश के बाद कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सूर्य कुमार तोमर ने जांच प्रतिवेदन मौके पर जाकर जांचकर बनाया। श्री तोमर ने बताया कि, कार्रवाई एसडीएम जी ही करेंगे मैरे द्वारा जांच प्रतिवेदन वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एसडीएम मैडम को भी दे दिया है, हां जांच में पाया गया कि, चैनसिंह खाद्यान्न व खाद्यान्न के खाली बारदाना की हेरा-फेरी कर अपनी गाड़ी में रखकर ले गया था, जो मैरे द्वारा पंचनामा प्रतिवेदन बनाकर एसडीएम महोदय को भी दे दिया।

इस संबंध में जब थांदला एसडीएम ज्योति परस्ते से बात की तो गूंज को बताया, कार्रवाई चल रही है जवाब मांगा था पर जवाब अभी तक नहीं आया।

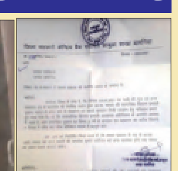

माही की गूंज के समाचार का उल्लेख कर भ्रष्ट प्रबंधक चैनसिंह को खाद्यान्न हेरा-फेरी में हटाने के दिए आदेश की प्रति।

अब सवाल यह उठता है कि, एसडीएम साहिबा आखिर किस बात का जवाब कार्रवाई हेतु चाहती है? ये तो वे ही जाने। जबकि जांच प्रतिवेदन में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी तोमर द्वारा स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि, विधि विरुद्ध खाद्यान्न की हेरा-फेरी कर अपनी गाड़ी में प्रबंधक चैनसिंह खाद्यान्न और खाद्यान्न के खाली बारदाना रखकर ले गया था पाया गया है।

निरन्तर...

बीमार कर्मचारी को प्रभारी प्रबंधक का चार्ज लेने के आदेश आखिर क्यों किए जारी?

उपभोक्ताओं से कियोस्क संचालकों की धोखाधड़ी

उपभोक्ताओं को बेवकूफ बनाकर अंगूठा व हस्ताक्षर करवा कर उनके खाते से उड़ा लेते है रुपये

माही की गूंज, झाबुआ।

ऑन लाइन फ्राड व धोखाधड़ी की कई कहानियां आजकल असानी से सुनने को मिल जाती है। मध्यप्रदेश का आदिवासी बाहुल झाबुआ जिला भी इससे अछूता नहीं है। मगर अब स्थिति यह है कि यह फ्राड कोई बाहर से कंपनी या लोग नहीं कर रहे है, बल्कि यहीं के लोग यहीं के गरीब आदिवासियों से कर रहे है, वो कहतें है ना कि घर का भेदी ही लंका ढहाता है। जिले भर में इन दिनों कियोस्क संचालकों की बहार आई हुई है। ग्रामीण इलाकों में तो यह लोग जमकर अशिक्षित आदिवासियों से मलाई काट रहे है। बैंक खाते से पैसे निकालने व जमा करने के नाम पर यूं तो 50 से 100 रुपये की उगाही करते ही है, लेकिन मौका मिलने पर कई कियोस्क संचालक अशिक्षित आदिवासी खाताधारक के खाते से बड़ी रकम पर भी हाथ साफ कर लेते है। अशिक्षित होने के कारण कई उपभोक्ता इनका शिकार हो जाते और पता भी नहीं चलता कि उनके साथ धोखाधड़ी हो चुकी है। ऐसे कई मामले जिले में देखने में आए है, जिसमें धोखाधड़ी का मामला सामने आया लेकिन लेन-देन व समझौते के माध्यम से उसे रफा -दफा कर दिया जाता है।

ज्यादा माल कमाने के चक्कर में यह कियोस्क संचालक इतने गिर जाते है कि विद्यार्थियों के साथ भी धोखाधड़ी की यह ट्रिक आजमाते जब विद्यार्थी इसका विरोध करते तो गाली-गलोच व झगड़े तक करने लगते। ऐसा ही एक मामला जिले में ग्राम पारा में सामने आया। ग्राम झुमका निवासी बालमुकुंद पिता थानसिंह सौलंकी ने बताया कि मैने 6 मार्च को 10 बजकर 44 मिनट पर पारा के कियोस्क सेंटर संचालक तितिक्षा प्रांजल सरतलिया के यहां मेरा पहले से अकाउंट बंद हो गया था। उसको चालू करवाने के लिए गया था। प्रांजल सरतलिया ने मुझे बिना बताए मेरे अकाउंट से 7 हजार रुपेय विड्रोल कर लिए।

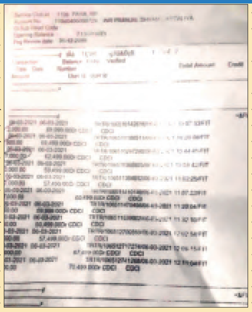

उसके बाद उसने नगद व्यहार रजिस्टर में मेरे हस्ताक्षर करवा लिए और कहा कि आपको खाते से लेन-देन करना होगा तभी आपका खाता चालू होगा। उसके 20 मिनट बाद मैने खाते से 500 रुपये निकाले। प्रांजल ने फिर मुझसे नगद व्यवहार रजिस्टर में हस्ताक्षर करवाए तो मैने देखा कि प्रांजल सरतलिया ने मुझ से पहले खाता चालू करने के लिए हस्ताक्षर करवाए लेकिन वहां नगद आहरण की राशि नहीं लिखि थी। वहां पर क्राश का निशान लगा रखा था। इस पर मुझे शक हुआ और मैने दूसरी जगह जाकर अपना खाता चेक करवाया तो मुझे पता चला कि मेरे खाते से 7 हजार रुपये निकाले गए है। बहस होने के बाद व स्टेटमेंट निकलवाने के बाद सत्यता प्रमाणित होने पर 7 हजार रुपये प्रांजल ने मुझे वापस कर दिए। यह तो बात मेरी थी कि मैने शिक्षित होने के नाते प्रांजल की इस धोखाधड़ी को पकड़ लिया। बालमुकुंद ने बताया कि इससे पहले भी इस प्रकार की शिकायत चौकी पारा पर हो चुकी है। मैं नहीं बल्की कई आदिवासी बुजुर्गों के साथ कियोस्क संचालक धोखाधड़ी करता आ रहा है। इससे पहले भी मेरे ही परिवार के एक सदस्य के साथ इस तरह की घटना हो चुकी है।

पूरे मामले देखा जाए तो यह अपने आप में कोई पहला मामला नहीं है जब कियोस्क संचालक द्वारा धोखाधड़ी की गई हो। जिले में ऐसे कई कियोस्क सेंटर संचालित है जहां अशिक्षित आदिवासी बुजुर्गों के साथ यह घटनाक्रम हो चुका है। यह बात और है कि शिकायत के अभाव में इस तरह के मामले उजागर नहीं हो पाए है। बैंकों और प्रशासनिक अधिकारियों को चाहिए कि कियोस्क संचालकों पर इस तरह के मामलों में सख्ती बारती जाए और अशिक्षित आदिवासी समाज के लोगों के साथ हो रहे इस शोषण को रोका जाए।

कोविड -19 वैक्सीनेशन को लेकर पंचायत समिति की हुई बैठक, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

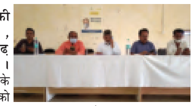

माही की गूंज, कुशलगढ़ (राज.)। कोविड -19 के वैक्सीनेशन को लेकर सरकार के निर्देश पर 60 वर्ष और इससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को कोविड टीकाकरण को लेकर कुशलगढ़ पंचायत समिति सभागार में कुशलगढ़ उपखंड अधिकारी ब्रदीलाल सुथार के निर्देश पर पंचायत समिति प्रधान कानहिंग रावत की अध्यक्षता में समिति क्षेत्र की 51 ग्राम पंचायत सरपंच सहित जनप्रतिनिधियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सरकार के निर्देशों की सख्ती से पालन के साथ बढ़ रहे कोरोना वायरस संक्रमण में सावधानी बरतने,इसरकारी गाईडलाइन का पालन करने और करवाने पर चर्चा के साथ ही अपने-अपने पंचायत क्षेत्र में जन-जन को डोर-टू-डोर जागरूक करने व संबंधित सीएचसी, पीएचसी में कोविड टिका लगवाने, प्रेरित करने संबधी दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में उपखंड अधिकारी, कुशलगढ़ विकास अधिकारी, सीएचसी प्रभारी डॉ. राजेन्द्र उज्जैनिया, पंचायत समिति सदस्य सुभाष डामोर सहित पंचायत सरपंच और जनप्रतिनिधि सहित पंचायत समिति कार्मिकगण मौजूद रहे।

आचार्य श्री शिवमुनिजी मा.सा. के सानिध्य अखातीज का पारणा नासिक में

माही की गूंज, बामनिया। श्रमणसंघ आचार्य सम्राट पूज्य डॉ. शिवमुनिजी मा.सा. के पावन सानिध्य में भव्यति भव्य अक्षय तृतीया (अखातीज) पारणा महोत्सव का आयोजन शिवाचार्य आत्मध्यान फाउंडेशन नासिक में 14 मई को किया जा रहा है। इस अवसर पर आस-पास में विराजित साधु-साध्वी भगवंतों को दर्शन प्रवर्चन का लाभ प्राप्त होगा। आयोजन को सफल बनाने में जैन कान्फ्रेंस, स्थानक श्रमनसंघीय श्रावक समिति नासिक जिले के सभी श्रावक संघ एवं सकल जैन श्री संघ नासिक अपना सहयोग प्रदान करेंगे।

शासकीय महाविद्यालय में मनाया गया अंतराष्ट्रीय महिला दिवस

माही की गूंज, थांदला। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सशक्तिकरण को लेकर शासकीय महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन हुआ। महिलाओं की शक्ति और सामर्थ्य से आज संपूर्ण विश्व परिचित है। भारत की बात की जाए तो कई उच्च प्रशासनिक पदों और राजनीतिक पदों पर महिला शक्ति अपना परचम लहरा रही है फिर वहीं भारत की वित्त मंत्री हो या जिस प्रदेश के हम निवासी हैं, यहां की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल हो, अतः किसी भी क्षेत्र में अब महिलाएं पुरुषों से पीछे नहीं है। उक्त विचार शासकीय महाविद्यालय थांदला के प्राचार्य डॉ. जीसी मेहता ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों के समक्ष अपने उद्बोधन में प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर प्रोफेसर सेलीन मावी ने कहा कि, महिलाओं को सशक्त होने के लिए अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना होगा, तभी वे अपने हक के लिए लड़ सकती है। साथ ही कार्यक्रम को डॉ. कंचन बारस्कर व क्रीड़ा अधिकारी डॉ. शुभदा भोसले ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. पीटर डोडियार, प्रो. एसएस मुवेल, डॉ. एमएस वास्केल, प्रो. एच डुडवे, प्रो. मनोहर सोलंकी, डॉ. देवेन्द्र धामनिया, प्रो. दीपमाला मंसारे, प्रो. हिमांशु मालवीया, प्रो. हर्षवर्धन राठौर, विजयसिंह मावडा, डॉ. बीएल. डावर, दिनेश मोरिया सहित छात्राएं उपस्थित थी।

रैन बसेरा में महिला दिवस पर दी विधिक जानकारियां

नारी केवल भोग की वस्तु नहीं अपितु पूजनीय है- जोशी

माही की गूंज, कुशलगढ़ (राज.)।

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बांसवाड़ा के दिशा निर्देशानुसार अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर ताल्लुका विधिक सेवा समिति कुशलगढ़ की और से विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें पैनल अधिवक्ता मोहम्मदीराज बोहरा ने महिलाओं के कानूनी अधिकार, महिला संरक्षण अधिनियम एवं विधिक जानकारियां दी। इस दौरान धरोहर सेवा संस्थान प्रभारी लीना ठाकुर सहित महिलाएं और छात्राएं मौजूद रहीं।

वहीं सोमवार को विश्व महिला दिवस पर कुशलगढ़ प्रतिध्वनि संस्थान योजना ''सखी'' में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में कुशलगढ़ नगरपालिका की निवर्तमान अध्यक्ष रेखा जोशी ने कहा कि, यत्र नार्यस्तु पुज्यंते, रमंते तत्र देवता। नारी केवल भोग की वस्तु नहीं अपितु पूजनीय है। नारी शक्ति पर ही सारा जगत टीका है। जोशी ने कहा कि, बांसवाडा जिले के सूदूर जनजाति बाहुल्य क्षेत्र कुशलगढ़ इलाके में पिछले पांच सालों से अनूसूचित जनजाति की महिलाओं, युवतियों और स्कुली छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सखी

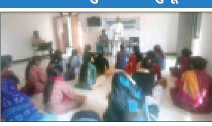

योजना कारगर साबित हो रही है जो कि धन्यवाद की पात्र है। कार्यक्रम में सर्वप्रथम अतिथियों ने मां शारदे के श्री चरणों में दीप प्रज्वलित किया। महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उदयपुर से सखी संस्थान में विगत कई दिनों से एप्लीक वर्क का प्रशिक्षण दे रही ट्रैनर तेजल ने भी अपने उदगार व्यक्त किए।

कोरोना काल में सखी योजना के तहत बनाए मास्क पहुंचे फ्रांस और दक्षिणी अमेरिका तक

जनजाति बाहुल्य क्षेत्र में जनजाति तबके की गरीब महिलाओं को सीलाई, कढ़ाई, बुनाई का प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रतिध्वनि संस्थान की स्थापना कुशलगढ़ में निदेशक डॉ निधि जैन की अगुवाई में 31 मार्च 2016 को की गई थी। जिसमें अब तक 3 हजार 5 सौ के करीब महिलाएं जिनमें 80 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति की महिलाएं, युवतियां व स्कुली छात्राएं प्रशिक्षण ले चुकी है। प्रतिध्वनि संस्थान की सखी नाम से संचालित योजना में गत वर्ष कोरोना काल में डेढ़ लाख के करीब मास्क बनाए गए, जिनमें पुलिस प्रशासन सहित जरुरतमंद को निःशुल्क वितरण किए गए साथ ही आमजन को रियायती दर पर मास्क मुहैया कराए गए। वहीं सखी योजना में बनाए मास्क फ्रांस और दक्षिणी अमेरिका तक भी ट्रांसपोर्ट के द्वारा भेजे गए थे। संस्थान निदेशक डॉ. निधि जैन के अनुसार दक्षिणी छोर जनजाति बाहुल्य भील इलाके में रोजगार के संसाधन नहीं है। वर्तमान में नॉन कमांड इलाके में पीने के पानी का विकट संकट गहराने लगा है रोजगार की तलाश में अधिकांश गुजरात सहित अन्य राज्यों में पलायन पर साल के आठ माह जनजाति समुदाय के लोग रहकर मजदूरी कर जीवन यापन करते हैं। सरकार को हर दृष्टी से इस क्षेत्र पर विकास और रोजगार के नवीन आयाम स्थापित करना समय की महती मांग है।

धरातल पर शासन की योजनाओं को मूर्तरूप देने वाली महिलाओं का हुआ सम्मान

माही की गूंज, राजगढ (ब्यावरा)/सारंगपुर। ग्रामीण क्षेत्र में जमीनी स्तर पर कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान पुलिस द्वारा किया गया, जो विपरीत परिस्थितियों में भी कम संसाधन में सरकार की योजनाओं को अमलीजामा पहनाने का प्रयास करती है। थाना प्रभारी उमाशंकर मुकाती ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व स्वास्थ विभाग सहित पुलिस विभाग में पदस्थ महिला कर्मियों का सम्मान किया गया।

बता दे कि, भैंसवा माता क्षेत्र की इन्ही महिला कर्मियों ने भैंसवा माताजी में आयोजित माता बिजासन मेले में माताजी मंदिर पर सुरक्षा व्यवस्था सहित भक्तो की स्वास्थय व्यवस्था में सरहानीय योगदान दिया था। थाना प्रभारी उमाशंकर मुकाती ने बताया कि, महिलाएं समाज सहित प्रशासन का एक मुख्य हिस्सा है इस समय महिलाएं अपने कर्तव्यों का पालन ईमानदारी से कर समाज को एक नई दिशा प्रदान कर रही है जो सहयोग पुलिस का आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ द्वारा किया गया, उसके लिए आज हम इनके आभार स्वरूप यह सम्मान कर रहे है।

इस अवसर पर थाना प्रभारी उमाशंकर मुकाती ने एएनएम श्रीमति वंदना झारवाल, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमति उमा शर्मा, कृष्ना नागर, शुषमा राठौर, पवित्रा नागर, ममता वर्मा, दुर्गा नागर, कौशल्या नागर, दुर्गेश पूरी, सुनीता जोशी, मीणा राजपूत व पुलिस महिला आरक्षक पूजा सिसोदिया, दिव्या कुशवाह का सम्मान किया गया।

जैनाचार्य उमेशमुनिजी की 89 वीं जयंती पर पंच दिवसिय तप महोत्सव का आयोजन

माही की गूंज, थांदला।

जिन शासन गौरव पूज्य श्रीधर्मदास सम्प्रदाय के जैनाचार्य जन-जन की आस्था के केंद्र उमेशमुनिजी म.सा. ÷अणु÷ की 89 वीं जन्म जयंती बुद्धपुत्र प्रवर्तक श्रीजिनेन्द्रमुनिजी की पावन प्रेरणा से थांदला श्रीसंघ में पंच दिवसीय रत्नत्रय की आराधना के साथ मनाई जा रही है। आचार्य श्री के पावनकारी जीवन पर अपनी भावाभिव्यक्ति फरमाते हुए पूज्या श्रीनिखशीलाजी म.सा. ने कहा कि, अहंकार विसर्जन की क्रिया है तो सद्गुरु के चरणों में शीश झुकाना ही है, परंतु आज स्वार्थ से वशीभूत हमारा शीश हर स्थान पर झुक जाता है जिससे सम्यग श्रद्धा बन नही पाती। उन्होंने कहा कि, महापुरुषों की केवल जय-जयकार ही नही करें अपितु उनके कहे हुए वचन, उनके जीवन से प्रेरणा लेकर उसे अपने जीवन को रूपांतरित करने से उनका जन्म दिवस निमित्त मंगल कारक बन जाता है।

इस तरह होंगे आगे के आयोजन

13 मार्च फाल्गुन अमावस्या पर गुरुदेव की जन्म जयंती मनाने के लिए अणुवत्स पूज्य श्री संयतमुनिजी के आगमन की पूरी संभावना है जिससे थांदला नगर में साधु-साध्वी, श्रावक-श्राविका रूप चतुर्विद संघ स्थापित हो जाएगा। तप महोत्सव की जानकारी देते हुए संघ अध्यक्ष जितेंद्र घोड़ावत, मंत्री प्रदीप गादिया, युवाध्यक्ष कपिल पिचा ने बताया कि, जैनाचार्य उमेशमुनिजी की 89 वीं जयंती पर पंच दिवसिय तप महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है जो 9 मार्च से शुरू हो चुका व 13 मार्च को सामूहिक तप दिवस के रूप में एकासन, आयम्बिल, उपवास आदि विविध तप करने के साथ पुर्ण होगा। पंच दिवसीय आयोजन में नवकार महामंत्र, उमेश गुरु चालीसा, सन्त प्रवचन तथा गुरु गुणानुवाद सभा का नित्य आयोजन भी चलेगा।

बालिकाओं को पुलिस आरक्षक भर्ती के लिए निःशुल्क कोचिंग दे रही है प्लाटून कमांडर श्रीमती सोलंकी

माही की गूंज, शाजापुर। जिला होमगार्ड कार्यालय में पदस्थ प्लाटून कमांडर श्रीमती कविता सोलंकी बालिकाओं को पुलिस आरक्षक भर्ती के लिए निःशुल्क कोचिंग दे रही है। बालिकाओं को सशक्त तथा उन्हें पुलिस आरक्षक बनाने का जुनून लिए श्रीमती सोलंकी प्रतिदिन बालिकाओं को कोचिंग दे रही है। श्रीमती सोलंकी का कहना है कि, जिला सेनानी विक्रमसिंह के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से होमगार्ड लाइन में बालिकाओं को जेल पुलिस, पुलिस आरक्षक, वन विभाग इत्यादि बेल्ट फोर्स में जाने हेतु मैदानी प्रशिक्षण की तैयारी के साथ ही लिखित प्रशिक्षण की तैयारी भी करवाई जाती हैं। उनके द्वारा वर्ष 2018 से निरंतर बालिकाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, अब तक कुल 300 बालिकाओं का प्रशिक्षित किया जा चुका है। वर्तमान में माह दिसंबर से 46 बालिकाओं को कोविड-19 की गाइडलाइन का पालन करते हुए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही उनके द्वारा महिला सशक्तिकरण बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत होमगार्ड लाइन में ही सेल्फडिफेंस की कक्षा का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

श्रीमती कविता सोलंकी को बालिकाओं को पुलिस आरक्षक भर्ती के लिए निःशुल्क कोचिंग देने एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत शारीरिक प्रशिक्षण देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित महिला सम्मान समारोह में प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

कुलदीप जोशी के निधन पर शोक की लहर

माही की गूंज, झाबुआ। स्थानीय थांदला गेट निवासी कुलदीप जोशी का सोमवार शाम को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय गैल मुक्ति धाम पर किया गया। शहर के युवा वर्ग में लोकप्रिय कुलदीप के अचानक से दुनिया से अलविदा करने से सोश्यल मीडिया पर उन्हें नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। वे सिद्धेश्वर कॉलोनी में श्री नवग्रह शनि मंदिर के सेवक थे। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में शहर के गणमान्यजन, समाज के लोग और युवा मित्र मंडल ने सम्मिलित होकर कुलदीप को श्रद्धांजली अर्पित की।

महिला खेल उत्सव एवं सम्मान समारोह हुआ संपन्न

माही की गूंज, शुजालपुर। नगर में नेकी की दीवार सामाजिक उत्थान समिति द्वारा विगत 4 वर्षों से नेकी के कार्य और जनकल्याण के कार्य नगर में महिलाओं द्वारा किए जा रहे हैं, जन सहयोग, जन विश्वास के साथ यह संस्था निरंतर प्रगति कर रही है। इस वर्ष 1 मार्च से महिला सशक्तिकरण महिला सम्मान पखवाड़ा मनाया जा रहा है जिसके तहत महिलाओं के लिए खेल महोत्सव का आयोजन उत्कृष्ट विद्यालय के प्रांगण में किया गया, जिसमें अलग-अलग टीमों ने आकर्षक ड्रेस कोड में ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रायोजक श्रीमती प्रभा जैन, श्रीमती रचना जैन, श्रीमती परमजीत कौर खालसा, श्रीमती मंजू विजयवगीय रही।

ग्रीष्मा शाह, वीणा गोयल, राजकुमारी अग्रवाल, शैलजा देशमुख, सुधा अग्रवाल के सहयोग से नगर में खेल जगत में महिला खेल प्रशिक्षक के रूप में जिन्होंने 37 वर्षों तक अपनी सेवाएं दी जिनका सम्मान किया गया साथ ही पूजा यादव और रंजना तोमर का भी सम्मान किया। इस आयोजन में महिलाओं के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई, जिसमें पूरे अनुशासन और जोश के साथ महिलाओं ने भाग लिया और अपनी प्रतिभाओं का प्रर्दशन किया, मशाल जलाकर खेल उत्सव की शुरुआत की गई। जिसमें सिंधी चैंपियन द ग्रेट मराठा ग्रुप, सुंदरकांड बीसी ग्रुप, प्रगतिशील महिला मंडल ग्रुप, रेड परी ग्रुप एच 11 ग्रुप आदि शामिल रहे।

श्री सोलंकी की पदोन्नति के बाद हुआ सम्मान

माही की गूंज, भामल। भामल निवासी कैलाशचंद्र सोलंकी को दूसरी बार पदोन्नति मिलने पर ग्राम सहित क्षेत्र में भी खुशी के साथ श्री सोलंकी को पदोन्नति पर शुभकामनाएं उनके मित्र एवं परिचितों द्वारा दी जा रही है।

कैलाशचंद्र सोलंकी की 1991 में पुलिस आरक्षक के पद पर नियुक्ति हुई थी जिसके बाद प्रधान आरक्षक की पदोन्नति होकर वर्तमान में झाबुआ कोतवाली पर पदस्थ है। पुलिस महकमे के 3 मार्च के आदेश में प्रधान आरक्षक श्री सोलंकी की पदोन्नति होकर एक स्टार लगकर एएसआई की पदोन्नति की गई। उक्त पदोन्नति के बाद श्री सोलंकी का स्वागत एवं सम्मान पुलिस स्टाफके साथ ग्राम भामल के रहवासियों ने भी सम्मान किया एवं जनहित में कार्य कर आगे और उन्नति प्रदान करें की अपेक्षाओं के साथ शुभकामनाएं दी।

महाशिवरात्रि का पर्व सिद्ध योग में बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा आज

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

ज्योतिषियों के अनुसार इस बार महाशिवरात्रि पर्व पर बहुत ही सुंदर संयोग आज बन रहा है। महाशिवरात्रि के पर्व पर आज के दिन आनंदादी श्री का सहयोग रहेगा, साथ ही सुबह 9 बजकर 25 मिनट तक महान कल्याणकारी शिव योग भी विद्यमान रहेगा, उसके बाद सभी कार्यों में सिद्धि दिलाने वाला सिद्धि योग आरंभ हो जाएगा। भगवान शिव ने यह आशीर्वाद दिया है कि, जो कोई सिद्धि योग के उपस्थित रहने पर कोई भी धर्म-कर्म, मांगलिक अनुष्ठान आदि कार्य करेगा वह कभी भी बाधित नहीं होगा, उसका कार्य सुपरिणाम कभी निष्फल नहीं रहेगा। मारकंडेय जी ने बताया कि, देवगुरु बृहस्पति और शनि मकर राशि में रहेंगे, ऐसे में महाशिवरात्रि पर किए गए पूजन, साधना, मंत्र-जाप, व्रत करने से अभीष्ट फल प्राप्त होता है।

अभिषेक करने से भक्तों की मनोकामना होगी पूर्ण

जलधारा शिव को अति प्रिय है, जल से ज्वर के कोप शांत करने के लिए दूध से अभिषेक करने से मनोकामना पूर्ण होती है, बुद्धि की जड़ता को दूर करने के लिए शक्कर मिश्रित दूध से अभिषेक करें, सरसों के तेल से अभिषेक करने से शत्रुओं की दुष्ट बुद्धि का विनाश होता है, दूध से संतान प्राप्ति, घी से दीर्घायु मोक्ष प्राप्ति, शहद से धन प्राप्ति, पंचामृत से धन संपत्ति मिलती है, गन्ने के रस से लक्ष्मी प्राप्त होती है।

ज्योतिष के दृष्टिकोण से शिवरात्रि पर्व चतुर्दशी तिथि के स्वामी भगवान भोलेनाथ अर्थात स्वयं शिव ही हैं इसलिए प्रत्येक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मासिक शिवरात्रि के तौर पर मनाया जाता है, ज्योतिष शास्त्रों में इस तिथि को अत्यंत शुभ बताया गया है। गणित ज्योतिष के आकलन के हिसाब से महाशिवरात्रि के समय सूर्य उत्तरायण हो चुके होते हैं और ऋतु परिवर्तन भी चल रहा होता है, ज्योतिष के अनुसार चतुर्दशी तिथि को चंद्रमा अपने कमजोर स्थिति में आ जाते हैं चंद्रमा को शिवजी ने मस्तक पर धारण किया है, अतः शिवपूजन से व्यक्ति का चंद्र सफल होता है जो मन का कारक है। दूसरे शब्दों में कहें तो शिव की आराधना इच्छा शक्ति को मजबूत करती है और अंत करण में अदम्य साहस व दृढ़ता का संचार करती है।

संपादकीय

किसान आंदोलन के 100 दिन और सियासत का रंग

आंदोलनकारी किसानों के दिल्ली में डेरा डाले 100 से ज्यादा हो गए हैं। लेकिन गतिरोध जहां का तहां है। कई विश्लेषकों का आरंभ से अनुमान था कि इस आंदोलन का गतिरोध खत्म नहीं होगा। आंदोलन कमजोर हो सकता है। या दोबारा उभर सकता है। लेकिन सरकार नहीं झुकेगी। अब तक यही बात सच साबित होती दिख रही है। किसान अब आंदोलन को सियासी रंग भी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसान 100 दिनों से सड़कों पर बैठे हैं। लेकिन सरकार उनकी मांगें मानने को तैयार नहीं हैं। अगर सरकार तीनों कानूनों को वापस नहीं लेने पर अड़ी रहती है, तो पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में इसका असर देखने को मिलेगा। भाजपा को किसानों का गुस्सा झेलना पड़ेगा। ये बात अगर सच हो, तो अनुमान लगाया जा सकता है कि सरकार किसानों के प्रति नरम पड़ सकती है। इसलिए कि आखिर आज के दौर में भाजपा एक चुनाव लड़ने की मशीन बन कर रह गई है। उसके लिए सब कुछ चुनाव और सत्ता है।

इसलिए सत्ता पर असर पड़ने का अंदेशा हो, तो उसका रुख बदल सकता है। लेकिन सवाल है कि क्या ऐसा होगा। फिलहाल, इसकी संभावना कम है। इसलिए कि किसान आंदोलन का गहरा असर पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से आगे नहीं जा सका है। इस बीच आंदोलन के भीतर आत्म- निरीक्षण की प्रक्रिया शुरू होते दिख रही है। उसके एक प्रमुख नेता ने कहा है कि आंदोलन को अपनी मांगों पर किस हद तक अड़े रहना चाहिए और उसमें कहां तक झुकना चाहिए, इस पर विचार करने की जरूरत है। जाहिर है, ऐसे बयान आंदोलन में थकान के लक्षण हैं। सरकार आखिर उसी दिन के इंतजार में है, जब आंदोलनकारी थकान का शिकार हो जाएंगे। वैसे किसान एकता मोर्चा ने आधिकारिक रूप से यही कहा है कि जब तक कृषि कानून वापस नहीं लिए जाते किसान धरना जारी रखने के लिए तैयार हैं। मोर्चा न कहा है कि 100 दिनों के बाद उनका आंदोलन मांगों को पूरा करने के लिए सरकार पर एक नैतिक दबाव डालेगा। यह नैतिक रूप से सरकार को कमजोर करेगा। तब फिर से बात करने के लिए किसानों के साथ बैठना होगा। उसने दोहराया है कि कृषि कानून डेथ वारंट की तरह हैं। ये बात किसानों में गहरे पैठे हुई है। तभी ये आंदोलन इतना लंबा चला है। फिर भी उसकी कामयाबी की राह नहीं निकली है।

अश्लीलता पर नियंत्रण जरूरी

'ओवर द टॉप' अर्थात ओटीटी प्लेटफॉर्म पर फिल्म एवं वेब सिरीजों पर दिखाई जा रही अश्लीलता चिंता का विषय है, अतएव इस पर नियंत्रण जरूरी है। यह बात सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पीठ ने कही। अदालत ने कहा कि 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बहुसंख्यक लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता का हनन नहीं कर सकती है।' यह बात अदालत ने अमेजन प्राइम कमर्शियल की प्रमुख अपर्णा पुरोहित की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कही।

दरअसल यह मामला तांडव वेब सिरीज से जुड़ा है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने तांडव में आपत्तिजनक दृश्य और कथ्य को लेकर जो मामला दर्ज हुआ है, उसमें अपर्णा को अग्रिम जमानत देने से इंकार कर दिया। इसे ही सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। लिहाजा जमानत याचिका खारिज करते हुए अदालत ने सवाल उठाया कि अश्लीलता दिखाने वाले सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की जांच होनी चाहिए। इन पर नियंत्रण तो जरूरी है ही एक बोर्ड का भी गठन किया जाए, जो इन पर नियंत्रण के उपाय सुझाए। हालांकि अब ओटीटी पर नियंत्रण के लिए ऐसी व्यवस्था होगी, जिससे पालक अपने बच्चों के लिए ऐसी सिरीज प्रतिबंधित कर सकेंगे, जिनमें अश्लीलता परोसी जा रही है। आयु वर्ग के हिसाब से भी इन्हें बालक, किशोर एवं वयस्क श्रेणियों में बांटा जाएगा। जिससे जरूरत के हिसाब से इन पर नियमन संभव हो।

मोबाइल व कंप्युटर पर इंटरनेट के खतरे का दायरा निरंतर बढ़ रहा है। इंस्टाग्राम हो या फेसबुक या फिर गूगल ये सब विदेशी कंपनियां अकूत धन कमाने की तृष्णा में सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से भारतीय बच्चों, किशोरों व युवकों को पोर्नोग्राफी के जाल में फंसाकर उनका न केवल भविष्य बर्बाद कर रहे हैं, बल्कि साइबर अपराधी बनाकर उनके पूरे जीवन पर ही कालिख पोतने का काम कर रही हैं। ये सब कंपनियां ऑनलाइन चाइल्ड सेक्स ट्रेफिकिंग को बढ़ावा दे रही हैं। दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह है कि किशोरों को अश्लील फिल्में दिखाकर बच्चे और सगे-संबंधी नाबालिग इनकी करतूतों का शिकार हो रहे हैं। लंदन के पास बसे शहर सोहो में इस तरह की वीडियो क्लीपिंग बनाने का धंधा खुलेआम चल रहा है।

आज सूचना तकनीक की जरूरत इस हद तक बढ़ गई है कि समाज का कोई भी क्षेत्र इससे अछूता नहीं रह गया है। कोरोना-काल में बच्चों को डिजिटल माध्यम से पढ़ने का जो बहाना मिला है, उसमें इंटरनेट पर डेटा की खपत से पता चला है कि चाइल्ड पोर्नाग्राफी की बीमारी भी उसी अनुपात में बढ़ रही है। आज दुनिया में करीब 4.5 अरब लोगों की इंटरनेट तक पहुंच हो गई है। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आइएमएआई) के सर्वे के अनुसार 2019 में भारत में इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या करीब 45.1 करोड़ है। यह संख्या देश की आबादी की 36 फीसदी है। इनमें से 38.5 करोड़ उपभोक्ता 12 वर्ष से अधिक उम्र के हैं और 6.6 करोड़ 11 वर्ष या इससे कम आयु समूह के हैं। इनमें से ज्यादातर अपने परिजनों की डिवाइस पर इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। 16-20 वर्ष के आयु समूह युवा सबसे ज्यादा इंटरनेट का उपयोग करते हैं। देश में 25.8 करोड़ पुरुष और शेष महिलाएं इंटरनेट का उपयोग करती हैं।

भारत में इंटरनेट डेटा की खपत इसके सस्ते होने की वजह से भी बढ़ रही है। पिछले चार साल में डेटा की खपत 56 गुना बढ़ी है, वहीं दरों में कमी 99 प्रतिशत हुई है। इकोनॉमिक सर्वेक्षण के अनुसार 2016 में डेटा की दरें 200 रुपए प्रति जीबी थी, जो 2019 में घटकर 12 रुपए प्रति जीबी तक आ गई हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली एक पोर्न वेबसाइट ने बताया है कि भारत में 2018 में औसतन 8.23 मिनट पोर्न वीडियो देखे गए, वहीं 2019 में यह अवधि बढ़कर 9.51 मिनट हो गई। यह आंकड़ा सिर्फ एक वेबसाइट का है, जबकि दुनिया में पोर्न संबंधी 150 करोड़ वेब पेज सक्रिय हैं। इनमें 28 करोड़ वीडियो लिंक हैं। ये पोर्न वेबसाइट जिन 20 देशों में सबसे ज्यादा देखी गई, उनमें भारत का स्थान तीसरा है। दरअसल इसी साल 'नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड, एक्सप्लॉयटेड चिल्ड्रेन' नाम के संगठन ने बालयौन शोषण से जुड़ी जानकारियां चाहीं थीं। संगठन को कुल 1.68 करोड़ सूचनाएं मिलीं। इनमें 19.87 लाख भारत से, 11.5 लाख पाकिस्तान और 5.5 लाख सूचनाएं बांग्लादेश से मिली थीं।

बच्चों के संदर्भ में मिली यह जानकारी अत्यंत चिंताजनक है, क्योंकि ये वे आंकड़े हैं जिनकी सूचना उपलब्ध हो गई है। परंतु इनमें वे आंकड़े नहीं हैं, जिनकी सूचना नहीं मिल पाई है। साफ है, बेटियों से दरिंदगी की एक बड़ी वजह पोर्न साइट्स की बिना किसी बाधा के उपलब्धता है। ऐसे में जो विद्यार्थी इंटरनेट पर पढ़ाई के बहाने पोर्न देखने में लग जाते हैं, उनके पालक सामान्य तौर से ऐसा कैसे सोच सकते हैं कि वे जिनके भविष्य के सपने बुन रहे हैं, वे स्वयं किस मानसिक अवस्था से गुजर रहे हैं। ऐसे में उन अभिभावकों के बच्चों को ज्यादा भटकने का अवसर मिल रहा है, जिनके माता-पिता दोनों नौकरी में हैं। ऐसे में यह निगरानी रखनी मुश्किल होती है कि आखिर बच्चे मोबाइल पर देख क्या रहे हैं?

इस कोरोना काल में यह बात मीडिया में तेजी से उठ रही है कि शैक्षिक संस्थान लंबे समय तक बंद रहने की स्थिति में पढ़ाई-लिखाई के लिए ऑनलाइन विकल्पों को क्यों न स्थाई बना दिया जाए? लेकिन यह प्रश्न नहीं उठाया जा रहा है कि पढ़ाई-लिखाई के दौरान बच्चे मोबाइल पर कौन-सा पाठ पढ़ रहे हैं? उन्हें कौन अज्ञात व्यक्ति बरगलाकर गलत दिशा दे रहा है? इसकी निगरानी कैसे संभव है?

सोशल मीडिया पर निर्बाध पहुंच और बच्चों की जरूरतों के प्रति अभिभावकों की निश्चिंतता एवं लापरवाही इस तरह की घटनाओं के लिए ज्यादा जिम्मेवार है। ये घटनाएं इसलिए और बढ़ रही हैं क्योंकि हमारी परिवारिक और कौटुंबिक जो सरंचना थी, उसे सुनियोजित ढंग से तोड़ा जा रहा है। ऐसे में बच्चों को नैतिक मूल्यों से जुड़े पाठ, पाठ्यक्रम से तो गायब कर ही दिए हैं, घरों में भी दादा-दादी या नाना-नानी इन पाठों को किस्सों-कहानियों के जरिए पढ़ाने के लिए उपलब्ध नहीं रह गए हैं। यदि नैतिक शिक्षा का पाठ पढ़ाने की बात कोई शिक्षाशास्त्री करता भी है तो उसे पुरातनपंथी कहकर नकार दिया जाता है। अब नई शिक्षा नीति में जरूर कुछ इस तरह के पाठ जोड़ने की पैरवी हो रही है।

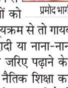

प्रमोद भार्गव

यह समस्या इसलिए विकट होती जा रही है क्योंकि इंटरनेट और सोशल प्लेटफॉर्म प्रदाता कंपनियां इस दुरुपयोग को रोकने के लिए कोई कारगर पहल करने को तैयार नहीं हैं। कंपनियां अक्सर इस तरह के मामले उठते हैं तो उस बाबत यह कहकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती हैं कि वह ऐसी किसी आपत्तिजनक तस्वीर या सामग्री के उपयोग की अनुमति नहीं देती। ज्यादा हुआ तो जो आपत्तिजनक सामग्री अपलोड हो जाती है, उसे हटाने का अश्वासन दे देती हैं। लेकिन कंपनी के ऐसे दावे भरोसे के लायक नहीं होते हैं, क्योंकि ऐसी सामग्री की पुनरावृत्ति होती रहती है। यदि ज्यादा जोर डाला जाता है तो सोशल साइट के उपभोक्ता सुनियोजित ढंग से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बाधित होने का शोर मचने लगते हैं और इंटरनेट का दुरुपयोग रोकने के उपायों को कोर्ट में चुनौती दे दी जाती है।

इन बातों का यह अर्थ कतई नहीं है कि सोशल मीडिया पर नियमन, स्व-नियमन या सरकारी नियंत्रण की कोई जरूरत ही नहीं रह गई है। हकीकत यह है कि किशोर बच्चों के लिए इंटरनेट घातक साबित हो रहा है। इसलिए इस परिप्रेक्ष्य में नियंत्रण की जरूरत कहीं अधिक बढ़ गई है। इसका आधार यही है कि सोशल मीडिया पर बढ़ती अश्लील करतूतें अब नैतिक मर्यादा के उल्लंघन और सभ्य समाज की संरचना के लिए गंभीर चुनौती के रूप में पेश आने लगी हैं, इसलिए ओटीटी पर अंकुश जरूरी है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

इस्लाम : अरबों की नकल जरूरी नही

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

स्विटजरलैंड ताजातरीन देश है, जिसने बुर्के पर प्रतिबंध लगा दिया है। दुनिया में सिर्फ हिंदू औरतें पर्दा करती हैं और मुस्लिम औरतें बुर्का पहनती हैं। हिंदुओं में पर्दा अब भी वे ही औरतें ज्यादातर करती हैं, जो पढ़ी-लिखी नहीं हैं या गरीब हैं या गांवों में रहती हैं लेकिन मुस्लिम देशों में मैंने देखा है कि विश्वविद्यालयों में जो महिला प्रोफेसर मेरे साथ पढ़ाती थीं, वे भी बुर्का पहन करके आती थीं। बुर्का पहनकर ही वे कार भी चलाती थीं। अब इस बुर्के पर प्रतिबंध की हवा दुनिया भर में फैलती जा रही है। दुनिया के 18 देशों में बुर्के पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इन 18 देशों में यूरोपीय देश तो हैं ही, कम से कम आधा दर्जन इस्लामी देश भी हैं, जिनमें तुर्की, मोरक्को, उजबेकिस्तान, ताजिकिस्तान, ट्यूनीसिया और चाद जैसे राष्ट्र भी शामिल हैं।

यहां सवाल यही उठता है कि आखिर इस्लामी देशों ने भी बुर्के पर प्रतिबंध क्यों लगाया? इसका तात्कालिक कारण तो यह है कि बुर्का पहनकर कई आदमी जघन्य अपराध करते हैं। वे अपनी पहचान छिपा लेते हैं और अचानक हमला बोल देते हैं। वे बुर्के में छोटे-छोटे हथियार भी छिपा लेते हैं। इन अपराधियों को पकड़ पाना भी मुश्किल हो जाता है। यही बात यूरोपीय देशों में भी हुए कई आतंकी हमलों में भी देखी गई।

यूरोपीय देश अपने मुस्लिम अल्पसंख्यकों की कई आदतों से परेशान हैं। उन्होंने उनके बुर्के और टोपी वगैरह पर ही प्रतिबंध नहीं लगाए हैं, बल्कि उनकी मस्जिदों, मदरसों और मीनारों पर तरह-तरह की बंदिशें कायम कर दी हैं। इन बंदिशों को वहां के कुछ मुस्लिम संगठनों ने उचित मानकर स्वीकार कर लिया है लेकिन कई अतिवादी मुस्लिमों ने उनकी कड़ी भर्त्सना भी की है। उनका कहना है कि यह कट्टर ईसाई पादरियों की इस्लाम-विरोधी साजिश है।

इस दृष्टिकोण का समर्थन पाकिस्तान, सउदी अरब और मलेशिया जैसे देशों के नेताओं ने भी किया है। उनका तर्क है कि पूरे स्विटजरलैंड में कुल 30 मुस्लिम औरतें ऐसी हैं, जो बुर्का पहनती हैं। उनपर रोक लगाने के लिए कानून की क्या जरूरत है? उनकी सोच यह भी है कि इस प्रतिबंध का बुरा असर स्विस पर्यटन-व्यवसाय पर भी पड़ेगा, क्योंकि मालदार मुस्लिम देशों की औरतें वहां आने से अब परहेज करेंगी। वे मानते हैं कि यह बुर्का-विरोधी नहीं, इस्लाम-विरोधी कदम है लेकिन यह मौका है जबकि दुनिया के मुसलमान सोचें कि वास्तव में इस्लाम क्या है और वे कौन-सी बाते हैं, जो बुनियादी हैं और कौन-सी सतही हैं?

इस्लाम की सबसे बुनियादी बात यह है कि ईश्वर सर्वव्यापक है। वह निर्गुण निराकार है। पैगंबर मुहम्मद ने यह क्रांतिकारी संदेश देकर अंधेरे से घिरे अरब जगत में रोशनी फैला दी थी। बस इस एक बात को आप पूरी तरह से पकड़े रहें तो आप सच्चे मुसलमान होंगे। शेष सारे रीति-रिवाज, खान-पान, पोशाक, भाषा आदि तो देश-काल के मुताबिक बदलते रहना चाहिए। अरबों के यहां कई अद्भुत परंपराएं हैं लेकिन अरबों की नकल करना ही मुसलमान होना नहीं है। पैगंबर मुहम्मद साहब के प्रति अखंड भक्तिभाव रखना अपनी जगह उचित है लेकिन डेढ़ हजार साल पुराने अरबी या भारतीय कानून-कायदों, रीति-रिवाजों और परंपराओं से आंख मींचकर चिपके रहना कहां तक ठीक है? उनके खिलाफकानून लाने की जरूरत ही क्यों पड़े? उन्हें तो हमें खुद ही बदलते रहना चाहिए।

(व्यंग्य) बेरोजगारों से सरकार को रोजगार !

भारत एक लोक कल्याणकारी राष्ट्र हैं, यहाँ पर सरकार जनता से चुनी जाती हैं और वह जनता के कल्याण के लिए जिम्मेदार होती हैं। यह कोई नयी व्यवस्था नहीं हैं। हमारी संस्कृति लोक लुभावन होती हैं। हमारे यहाँ सैकड़ों बोलियां बोली जाती हैं कुछ बोलिया मृतप्राय होती जा रही हैं और कुछ बोलियों ने अन्य भाषाओं पर अतिक्रमण कर लिया हैं, इससे नई संस्कृति पैदा होती जा रही हैं जिससे वर्णसंकर भाषा बनती जा रही हैं।

हमारा देश बहुत क्षेत्रों में उन्नतशील हैं और होता जा रहा हैं, पहले हमारे यहाँ हरित क्रांति आयी, उसके बाद श्वेत क्रांति उसके बाद पिंक क्रांति, के बाद अघोषित भ्र्ष्टाचार क्रांति, बेरोजगार क्रांति, और नेतागिरी क्रांति। वैसे यहाँ आबादी बहुत विकसित हुईऔर उसके लिए परिवार नियोजन कार्यक्रम चालू किया गया और उसके कारण भी सरकार हार गयी थी फिर परिवार कल्याण विभाग तैयार हुआ। इस प्रकार परिवार नियंत्रित करने के लिए बहुत कार्यक्रम बनाये गए पर आबादी उससे अधिक अनुपात में बढ़ी। और उसको कोई रोक नहीं सकता। जैसे परछाई को जितना पकड़ो उतनी भगति हैं उसी प्रकार जितना नियंत्रण उतनी वृद्धि कारण मानवीय स्वाभाव हैं नियमों को तोडना। भ्रष्टाचार खतम करना हैं, उतना और बढ़ता हैं। देश की आबादी के साथ बेरोजगारी भी बढ़ेगी जो स्वाभाविक हैं।

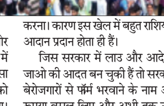

हमारे देश में विकास पर जितना जोर दिया जाता हैं उतना बेरोजगारी दूर करने में नहीं। कारण नौकरी देने में सरकार का पैसा खरचा होता हैं और सरकार ने आरक्षण को लाकर योग्यता को बहुत नुक्सान पहुँचाया। आज गुणवत्ता के लाले पड़े हैं और नौकरी के आभाव में निराशा हताशा, आत्महत्या का माहौल बन गया हैं। नौकरी में योग्यता का आधार खतम हो गया हैं। और स्थाई नौकरी का कोई स्थान नहीं। संविदा होने के कारण उनका भविष्य अंधकारमय रहने के कारण उनकी रूचि अपने भविष्य को ओर लगी रहती हैं उससे उनको काम करने में अधिकतम रूचि नहीं रहती।

एक संविदा शिक्षक कक्षा में पढ़ा रहा था की गंगा नदी अमरकण्टक से निकली हैं। ध्निकलती हैं इस पर प्राचार्य ने टोका आप गलत क्यों पढ़ा रहे हैं तब बेचारा शिक्षक बोला कम वेतन में गंगा अमरकंटक से निकलेगी, पूरा वेतन मिलेगा तो गंगोत्री से निकलेगी। आज स्थिति यह हैं की एक पद के लिए एक अनार और सौ बीमार हैं। एक एक पद के लिए उच्चतम योग्यता धारी निम्मतर पद पर काम करने को तैयार हैं।

इस देश में एक क्षेत्र में बेरोजगारी नहीं हैं वह है राजनीति। कारण राजनीती में राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्री,अध्यक्ष, नगरपालिका - निगम आदि नेतागिरी के पदों में कभी भी कमी नहीं रहती। नहीं तो नए नए पद सृजित कर लिए जाते हैं। इस क्षेत्र में अधिकतम योग्यता चुनाव जीतना और लामबंदी करके येन केन प्रकारेण पद प्राप्त करना, स्थिर सरकार को अस्थिर करना। कारण इस खेल में बहुत राशियों का आदान प्रदान होता ही हैं।

जिस सरकार में लाउ और आदेश ले जाओ की आदत बन चुकी हैं तो सरकार ने बेरोजगारों से फॉर्म भरवाने के नाम अरबों रूपया वसूल लिए और अभी तक उनको अपने चयन का इंतजार हैं और चयन प्रक्रिया सामान्य और साधारण नहीं होती और उसमे पूरा चयन आर्थिक स्तर पर होता भी हैं और ही हैं। क्योकि बेरोजगार को सरकार ता जिंदगी का रोजगार दे रही हैं। सरकार ने उन बेरोजगारों से इतना धन कमा लिया हैं की संविदा भर्ती में दिया जाना वेतन उस राशि से हजारों का निकल आएगा। यानी जिस प्रकार सरकार बेरोजगारों से अपनी गरीबी मिटाने तुली हैं और उसके बाद सरकार की यानी मुख्य मंत्री, मंत्री, नेताओं सचिवों की सिफारशों के आधार पर चयन होता हैं। चयन होने के बाद आदेश निकलवाने सुविधा शुल्क और नौकरी लगने के बाद हर वर्ष नवीनीकरण शुल्क अलग से।

यानी गरीब का शोषण हर स्तर पर होता हैं और होना भी चाहिए कारण नेताओं की गरीबी, गरीबों से ही दूर होती हैं और गरीब हमेशा से अभिशिप्त रहा हैं। गरीबी हमेशा से पापी रही है। जितना अधिक शोषण नेतागिरी में होता हैं उतना किसी भी क्षेत्र में नहीं होता हैं।

रहिमन है गरीब की कभी न निष्फल जाय

गरीबों की है से पत्थर भी चटक जाता हैं

गरीब का शोषण अधिक दिन तक नहीं टिकता

वे पहले गरीब थे अब बन गए पैसा वाले

लक्ष्मी चंचल होती हैं
और मिलती पुण्य पाप से
समय बलवान होता हैं
कभी नाव नदी पर, कभी नाव में नदी
मत करो गरूर

'आधी दुनिया' के प्रति बढ़ते अपराध

महिलाओं के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने और उनके अधिकारों पर चर्चा के लिए प्रतिवर्ष 8 मार्च को 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' मनाया जाता है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम को संयुक्त राष्ट्र की ओर से महिलाओं के नेतृत्व को समर्पित किया गया है। कोरोना काल में सेवाएं देने वाली महिलाओं और लड़कियों के योगदान को रेखांकित करने के लिए इसबार महिला दिवस की थीम 'महिला नेतृत्वरू कोविड-19 की दुनिया में एक समान भविष्य को प्राप्त करना' है। दरअसल पिछले एक साल से भी अधिक समय कोविड-19 महामारी के कहर से पूरी दुनिया प्रभावित हुई है और इस बुरे दौर में कोरोना योद्धाओं ने मानवीय सेवा की बड़ी मिसाल पेश की। इन्हीं कोरोना योद्धाओं में दुनियाभर में बहुत सारी महिलाओं ने भी न केवल आगे बढ़कर अग्रिम मोर्चे पर सेवाएं दी बल्कि अपनी कुशल नेतृत्व क्षमता का लोहा भी मनवाया।

सोशलिस्ट पार्टी के आह्वान पर सबसे पहला महिला दिवस अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में 28 फरवरी 1909 को एक समाजवादी राजनीतिक कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया गया था। उसके बाद जर्मनी की क्लारा जेडकिंट ने वर्ष 1910 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का विचार रखा। उनका कहना था कि विश्व में प्रत्येक देश की महिलाओं को अपने विचार रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाने की योजना बनानी चाहिए। उसी के बाद एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें 17 देशों की कुल सौ महिलाओं ने हिस्सा लेते हुए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने पर सहमति जताई और 19 मार्च 1911 को ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी तथा स्विट्जरलैंड में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। करीब दो वर्ष बाद वर्ष 1913 में इसे 19 मार्च के बजाय 8 मार्च को मनाया जाना निर्धारित कर दिया गया। 1917 में सोवियत संघ द्वारा इस दिन राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया गया था। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा पहली बार वर्ष 1975 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का निर्णय लिया गया और 8 मार्च 1975 से दुनियाभर में यह दिवस प्रतिवर्ष अलग-अलग थीम के साथ मनाया जा रहा है।

पिछले 46 वर्षों से प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिला दिवस का आयोजन किया जा रहा है लेकिन चिंता की बात यही है कि इतने वर्षों में भी महिलाओं की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। जब हम महिलाओं के साथ लगातार सामने आती आपराधिक घटनाओं को देखते हैं तो सिर शर्म से झुक जाता है। वर्तमान सदी को महिलाओं के लिए समानता सुनिश्चित करने वाली सदी बनाने का आग्रह करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस कह चुके हैं कि न्याय, समानता तथा मानवाधिकारों के लिए लड़ाई तबतक अधूरी है, जबतक महिलाओं के साथ लैंगिक भेदभाव जारी है। पूरी दुनिया में भले महिला प्रगति के लिए बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं पर हकीकत यही है कि महिला सुरक्षा के लाख दावों के बावजूद उनकी स्थिति में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है।

संयुक्त राष्ट्र महिला के आंकड़ों के अनुसार विश्वभर में 15-19 आयु वर्ग की करीब डेढ़ करोड़ किशोर लड़कियां जीवन में कभी न कभी यौन उत्पीड़न का शिकार होती हैं। करीब 35 फीसदी महिलाओं और लड़कियों को अपने जीवनकाल में शारीरिक एवं यौन हिंसा का सामना करना पड़ता है। हिंसा की शिकार 50 फीसदी से अधिक महिलाओं की हत्या उनके परिजनों द्वारा ही की जाती है, वैश्विक स्तर पर मानव तस्करी के शिकार लोगों में 50 फीसदी व्यस्क महिलाएं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रतिदिन तीन में से एक महिला किसी न किसी प्रकार की शारीरिक हिंसा का शिकार होती हैं। हाल ही में एक ताजा अध्ययन में एक और चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है, जिसमें 78.4 फीसदी महिलाओं ने स्वीकार किया कि उन्होंने सार्वजनिक स्थल हिंसा झेली है। करीब 68 फीसदी महिलाओं ने माना कि उन्होंने सार्वजनिक परिवहन में सफर करते समय हिंसा का अनुभव किया और इनमें से 38.5 फीसदी महिलाएं ऐसी हिंसा चुपचाप सह गई क्योंकि उन्हें पता ही नहीं था कि उन्हें क्या करना है।

महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों को इसी से समझा जा सकता है कि महिला सुरक्षा के लिए बने तमाम कानूनों के बावजूद अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे महिला पुलिसकर्मियों तक से छेड़छाड़ और उन पर हमला करने से भी नहीं डरते। 3 मार्च 2021 को दिल्ली के द्वारका इलाके में चलती बस में एक युवक में 29 वर्षीया महिला कांस्टेबल से छेड़छाड़ शुरू कर दी लेकिन कांस्टेबल द्वारा विरोध करने और पुलिस में शिकायत करने की धमकी देने पर युवक महिला कांस्टेबल के सिर पर हेलमेट से वार कर बस से कूदकर फरार हो गया। हाल ही में राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में महिला अपराध के एक नृशंस मामले में जमानत पर बाहर आए दुष्कर्म के एक आरोपी ने पीड़िता को हत्या के इरादे से जिंदा जलाने का प्रयास किया। हादसे में पीड़िता 70 फीसदी तक झुलस गई और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में गत दिनों 12 वर्षीया बच्ची को बलात्कारी ने रेप के बाद मारकर अपने घर में गाड़ दिया। बच्ची अपने खेत में खाना खाने के बाद उसके घर पानी मांगने गई थी लेकिन उस बेचारी को क्या पता था कि उसे पानी नहीं बल्कि उसके बदले ऐसी दर्दनाक मौत मिलेगी। बिहार के सीतामढ़ी जिले के एक गांव में गांव के ही रहने वाले चार दबंग युवकों ने नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके साथ रेप किया और जघन्य वारदात की वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। हैरानी की बात यह कि पुलिस द्वारा इस मामले में करीब एक सप्ताह बाद कदम उठाया गया।

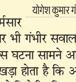

योगेश कुमार गोयल

समूची मानवता को शर्मसार करती ऐसी घटनाएं सिस्टम पर भी गंभीर सवाल खड़े करती हैं। ऐसी कोई भी वीभत्स घटना सामने आने के बाद हर बार एक ही सवाल खड़ा होता है कि आखिर भारतीय समाज में कब और कैसे मिलेगी महिलाओं को सुरक्षा? कब तक महिलाएं घर से बाहर कदम रखने के बाद इसी प्रकार भय के साये में जीने को विवश रहेंगी? निर्भया कांड के बाद कानूनों में सख्ती, महिला सुरक्षा के नाम पर कई तरह के कदम उठाने और समाज में आधी दुनिया के आत्मसम्मान को लेकर बढ़ती संवेदनशीलता के बावजूद आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि बलात्कार के मामले हों या छेड़छाड़ अथवा मर्यादा हनन या फिर अपहरण अथवा क्रूरता, 'आधी दुनिया' के प्रति अपराधों का सिलसिला थम नहीं रहा? इसका एक बड़ा कारण तो यही है कि कड़े कानूनों के बावजूद असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई नहीं होती। हैदराबाद की बेटी दिशा का मामला हो या उन्नाव पीड़िता का अथवा हाथरस या बुलंदशहर की बेटियों का, लगातार सामने आते इस तरह के तमाम मामलों से स्पष्ट है कि केवल कानून कड़े कर देने से ही महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध थमने वाले नहीं हैं। इसके लिए सबसे जरूरी है कि तमाम सरकारें प्रशासनिक मशीनरी को चुस्त-दुरूस्त करने के साथ ऐसे अपराधों के लिए प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करें। इन मामलों में कोताही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं।

चाणक्य नीति

समुद्र ही सभी रत्नों का भण्डार है. वह शंख का पिता है. देवी लक्ष्मी शंख की बहन है। लेकिन दर दर पर भीख मांगने वाले हाथ में शंख ले कर घूमते है। इससे यह बात सिद्ध होती है की उसी को मिलेगा जिसने पहले दिया है।

एक सलाह

इत्र से कपड़ों को महकाना कोई बड़ी बात नहीं है, मजा तो तब है जब आपके किरदार से खूशबू आए।

काम की बात

किसी की जिंदगी में तब तक दखल नहीं देना चाहिए, जब तक उसका असर आपके जीवन पर न पड़े।

नगर परिषद की उदासीनता से स्वच्छता अभियान की उड़ाई जा रही धज्जियां

नवनिर्मित बस स्टैंड पर व्यापारियों ने किया अस्थाई अतिक्रमण

माही की गूंज, राजगढ़ (ब्यावरा)।

प्रशासन द्वारा स्वच्छता पर करोड़ो रूपए खर्च करके स्वच्छता अभियान को सफल बनाने का प्रयास किया जा रहा है, वहीं दूसरी और माचलपुर नगर परिषद द्वारा स्वच्छता अभियान की धज्जियां उड़ाई जा रही है, नगर परिषद की अनदेखी के चलते नगर मे स्वच्छता की मुहिम पर पानी फिरता दिख रहा है। नगर के लोदा मोहल्ला में कचरे का ढेर आसानी से देखा जा सकता है, वही पिपल्या कुल्मी रोड़ पर सारंग के पास में नालियां भरी हुई है। जिसकी जानकारी नगर परिषद सीएमओ भूपेंद्र सिंह को कई बार मौखिक रूप से दे दी गई है मगर आश्वासन के अलावा कुछ नही मिलता। नगर की गलियों में नालियों की साफ-सफाई नही होने के कारण नगर परिषद की सक्रियता पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं।

सुअर की शिकायत भी लोगो द्वारा की जा रही है, जगह-जगह सुअर आसानी से देखे जा सकते हैं। मगर सीएमओ भूपेंद्र सिंह हमेशा यही कहते हैं कि, जल्द नगर को सुअर मुक्त कर देंगे। मगर इनका आश्वासन कोरा साबित हो रहा है।

शिकायकर्ता मनोहर लववंशी ने बताया कि, हमारे द्वारा 181 पर भी शिकायत दर्ज करवाई गई थी जो नगर परिषद सीएमओ ने आश्वासन देकर हमसे हटवा दी, मगर उसके बावजूद आज तक यहां साफ-सफाई नही करवाई गई, जिसके चलते लोग बीमार हो रहे हैं मगर इससे नगर परिषद को कोई फर्क नही पड़ रहा है। अब सोचने वाली बात है कि, हर माह लाखों रुपए खर्च करने के बावजूद शहर को साफ-सुथरा रखने की जिम्मेदारी निभा रही नगर परिषद सफाई व्यवस्था को पटरी पर नहीं ला पाती है या नहीं। वैसे देखा जाए तो नगर परिषद उदासीनता के चलते नगर परिषद के तमाम प्रयास बोने साबित हो रहे हैं।

तीन से चार दिनों मिलता है पीने का पानी

अभी गर्मी ने अपनी दस्तक दी ही है मगर नगर परिषद की जल व्यवस्था चरमरा गई है। जहां एक दिन छोड़कर पानी की सप्लाई की जा रही थी वहीं अब तीन से चार दिन छोड़कर पीने के पानी की सप्लाई की जा रही है। सोचने वाली बात है कि, अभी तो गर्मी शुरू हुई है, भीषण गर्मी में क्या हाल होंगे।

नवनिर्मित बस स्टैंड पर व्यापारी ने किया अस्थाई अतिक्रमण

नवनिर्मित बस स्टैंड का टेंडर तीन करोड़ रुपए के लगभग की राशि का स्वीकृत हुआ था। ठेकेदार द्वारा उसका कार्य लगभग पूर्ण कर दिया गया, मगर नगर परिषद की अनदेखी के चलते व्यपारी ने अपना धना व अन्य सामान की बोरिया व ठेर लगाकर अतिक्रमण कर रखा है जिस पर नगर परिषद के अधिकारी अपनी आंखें मूंदकर बैठे हैं। शासन ने करोड़ो रूपए खर्च करके बस स्टैंड का निर्माण करवाया था कि, आम जनता को इसका फायदा मिल सके लेकिन यहां तो निजी व्यक्ति इस बस स्टैंड का फायदा ले रहा है।

4 अप्रैल को होगा मांझी मिलन समारोह तो 16 मार्च को होगा नवीन आयोजन समिति का गठन

माही की गूंज, गंजबासौदा (विदिशा)।

पावनी मेडिकल एजेंसी बरेठ रोड पर 7 मार्च को माझी मिलन समारोह आयोजन समिति की बैठक संपन्न हुई, जिसमें आगामी 4 अप्रैल को विगत वर्ष अनुसार इस वर्ष भी युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित करने का सामूहिक निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता झिरीलाल केवट गमाकर ने की, संचालन सुनील पेंटर ने किया व आभार रितेश रैकवार द्वारा व्यक्त किया गया।

बैठक में माझी मिलन समारोह आयोजन समिति को भंग कर नवीन आयोजन समिति अध्यक्ष, महासचिव एवं पदाधिकारियों का चुनाव आगामी बैठक 16 मार्च को संपूर्ण विदिशा जिला माझी समुदाय की सामूहिक सहमति से किया जाएगा, तब तक पूर्व समिति अपना उत्तरदायित्व का निर्वहन करेगी। बैठक में समाज बंधुओं से अपील की गई है कि, इच्छुक उम्मीदवार अपने-अपने नामांकन फॉर्म पावनी मेडिकल एजेंसी बरेठ रोड पर 14 मार्च तक जमा कर सकते है।

बैठक में डॉक्टर इंदर सिंह केवट (स्वतंत्र लेखक), दिनेश केवट, मुकेश रायकवार, रूपसिंह रैकवार, राहुल रैकवार, रानू केवट, गोलू रैकवार, किशोरी लाल रैकवार, रितेश रैकवार आदि समाज बंधु उपस्थित थे।

देश प्रेमी की चिंतामणि का शिक्षा मंत्री परमार ने किया विमोचन

माही की गूंज, शाजापुर/कालापीपल।

किसी भी देश की व्यवस्था में शिक्षा का बड़ा योगदान होता है, समाज यह समझे कि यहां काम हमारा ही नहीं है यहां सभी लोगों का काम है शिक्षा का काम समाज का है, सरकार उसमें सहयोग करने के लिए खड़ी रहेगी। पुस्तक समाज में सकारात्मक सोच का निर्माण करने में मील का पत्थर साबित होगी। उक्त बातें मध्य प्रदेश स्कूल शिक्षा राज्यमंत्री इंदर सिंह परमार ने कही, वह बतौर मुख्य अतिथि शाजापुर जिले के कालापीपल के स्थानीय साहित्यकार हुकुम सिंह परमार (देश प्रेमी) की किताब चिंतामणि के विमोचन के अवसर पर पहुंचे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि, इस किताब में अनेक विषयों का उल्लेख है जो समाज को सांस्कृतिक करने का काम करेंगी। पुस्तक विमोचन समारोह के अवसर पर अपने व्यक्तव्य में स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने नई शिक्षा नीति के बारे में भी विचार व्यक्त किए, उन्होंने कहा कि, मध्य प्रदेश की धरती पर पूरी शिक्षा नीति को लेकर एक बड़े बदलाव का अभियान चल रहा है, हम आमूलचूल परिवर्तन करने की दिशा में काम कर रहे हैं। देश में समाज और सरकारों की व्यवस्था से शिक्षकों का जो सम्मान कम हुआ है उसे हम फिर से विस्थापित करने का काम हम केवल विद्यार्थी ही नहीं शिक्षकों को भी अपडेट शिक्षित और प्रशिक प्रशिक्षित करने के लिए एवं शिक्षकों के खोए हुए सम्मान को वापस दिलाने का काम कर रहे हैं, शिक्षक राष्ट्र निर्माता है भविष्य में किसी भी शिक्षक को मांग के लिए ज्ञापन देने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

पुस्तक को तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वाले हिंदी जागृति मंच के सचिव अनिल शर्मा, सेवानिवृत्त शिक्षक गोरेलाल परमार ने पुस्तक की विषय वस्तु में समारोह में मौजूद लोगों को अवगत कराया। कार्यक्रम में कालापीपल भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेश परमार, खोकरा भाजपा मंडल अध्यक्ष कृपाल सिंह मेवाडा, पूर्व विधायक फुलसिंह मेवाडा, पूर्व जनपद अध्यक्ष सूरज सिंह परमार, बंसीलाल परमार आदि उपस्थित रहे। समारोह का संचालन सेवानिवृत्त शिक्षक दिलीप भावसार ने किया एवं आभार पुस्तक लेखक हुकुम सिंह ने किया।

बेटी बचाओं बेटी पढाओं के 11 हजार स्टीकर वाहनों पर लगाकर बनाया विश्व कीर्तिमान

माही की गूंज, रतलाम।

खुशी एक पहल वेलफेयर सोसायटी रतलाम द्वारा 4 घंटे में बेटी बचाओं बेटी पढाओं के 11 हजार स्टीकर विभिन्न वाहनों पर लगाकर वज्र विश्व कीर्तिमान बनाया गया।बेटी बचाओं बेटी पढाओं के संदेश को जन-जन का संदेश बनाने के लिए महू रोड बस स्टेण्ड पर बसों की सीटों पर, ऑटो पर, टू व्हीलर, कार आदि पर स्टीकर लगाए इस प्रकार 11 हजार स्टीकरों को लगाया गया।

खुशी एक पहल संस्था के सचिव अमन माहेश्वरी ने बताया कि, संस्था के द्वारा बेटी बचाओं बेटी पढाओं के संदेशों को जन-जन तक पहंचाने के लिए यह पहल की गई है संस्था की महिला सदस्यों ने राशि एकत्रित कर ये कार्य किया है। म.प्र. जन अभियान परिषद जिला समन्वयक रत्नेश विजयवर्गीय ने कहा कि, बेटी बचाओं बेटी पढाओं को जन अभियान बनाने में संस्था ने सार्थक पहल की है।

11 हजार स्टीकर विभिन्न वाहनों पर लगने के पश्चात् वज्र ज्यूरी मेंबर शैलेन्द्र सिंह सिसौदिया द्वारा संतुष्ट होने पर वज्र विश्वकीर्तिमान का ऑनस्पाट प्रमाण-पत्र संस्था के सदस्यों को भेंट किया गया। इस अवसर पर पूर्व आईएएस श्रीमति सुरज डामोर, जिला पंचायत प्रधान प्रमेश मईडा, कलेक्टर जिला रतलाम गोपालचंद्र डाड, पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी, अपर कलेक्टर जमुना भिडे, पूर्व पार्षद सीमा टांक, पदमा जायसवाल, पूर्व विधायक संगीता चारेल, भारती पाटीदार, राजेन्द्र पाटीदार, जिला पंचायत सदस्य रूकमणी पाटीदार, आदि की उपस्थिति में प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष हरीश जोशी, सदस्य लक्ष्मीनारायण शर्मा, यज्ञेश व्यास, भूपेंद्र गहलोत, कैफ मंसूरी, अली असगर, निखिलेश सोनी, लखन, आंचल जैन, सोनू मेहता, हिमांशी प्रजापति, सिमरन परिहार, सोनाली सोलंकी, प्रियांशी जैन, रिधम उपाध्याय, जयमाला चौधरी, अंजू सूर्यवंशी आदि का सहयोग रहा।

धार्मिक आयोजनों को धारा 144 से मुक्त रखे-कांग्रेस आईटी सेल अध्यक्ष जैथवार

माही की गूंज, रतलाम।

जिला प्रसाशन लगातार कोरोना का भय दिखाकर शहर में होने वाले धार्मिक आयोजन व त्योहारों पर रोक लगा रहा है और हिंदू धर्म के लोगो की आस्था से खिलवाड़ कर रहा है। लेकिन शहर में लगातार हजारो की तादात में भीड़ जुटाकर राजनीतिक आयोजन किए जा रहे है और प्रशासन मुखदर्शक बनकर देख रहा है। कांग्रेस आईटी एवं सोशल मीडिया विभाग अध्यक्ष हिम्मत जैथवार ने जिला प्रसाशन से मांग की है कि, शहर में होने वाले धार्मिक आयोजनों को धारा 144 से बाहर रखा जाए और अनुमति की प्रक्रिया को खत्म किया जाए नही तो जिला प्रसाशन के खिलाफ उग्र आंदोलन किया जाएगा। जैथवार ने जिला प्रसाशन पर आरोप लगाते हुए बताया कि, प्रशासन सनातन धर्म के आयोजनों पर प्रतिबंध लगाकर उन्हें खत्म करना चाहता है, शांति समिति की बैठक में धार्मिक आयोजन पर प्रतिबंध लगाने के निर्णय का हम पुरजोर विरोध करते है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर हुआ रक्तदान शिविर का आयोजन

माही की गूंज, रतलाम।

स्त्री को देवी समान दर्जा देने वाले भारत देश की महिलाओं ने अपने प्रयासों, अपने कार्यों और अपने लक्ष्यों के बल पर दुनियाभर में सम्मान हासिल किया है। राजनीति, उद्योग, समाजसेवा, खेल या फिर फिल्मों की ही बात क्यों न हो, भारतीय महिलाओं ने हर जगह अपनी मेहनत के बल पर पुरुष प्रधान समाज में अपनी सशक्त दावेदारी प्रस्तुत की है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला संगठन व माहेश्वरी महिला मण्डल के संयुक्त तत्वावधान में मानव सेवा समिति रतलाम में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें युवाओ के अलावा मातृ शक्ति श्रीमती ललिता सोमानी, श्रीमती मंगला असावा, श्रीमती चेतना गगरानी, श्रीमती मधु सोमानी, श्रीमती अंतिम कचोलिया व रक्षा कोठारी ने भी रक्तदान किया। नारी शक्ति के इस अवसर पर दिनेश लड्ढा, विजय सोमानी, हार्दिक गगरानी, शीतल भंसाली, गोविंद काकानी, गोपाल सोडानी विशेष रूप से उपस्थित थे।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस जिले में भी मनाया गया

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर रोहित सिंह ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर यहां जिला मुख्यालय पर स्थित एम टु होटल में आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ कन्या पूजन कर विधिवत किया गया। सिंह ने इस अवसर पर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज हम अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मना रहे है। मेरा मानना है कि महिलाओं का यह दिवस हर एक दिन महिलाओं का दिवस है और हर एक क्षण महिलाओं का क्षण है। हम भारतीय संस्कृति के वाहक है। भारत देश में माताओं के वंदन से दिन की शुरूआत होती है। माता को पहले वंदन किया जाता है। उसके बाद पिता और गुरू का वंदन किया जाता है। शासन द्वारा महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए कराते जैसे गुर विद्यालयों में सिखाए जा रहे है ताकि बालिकाएं अपने आत्मरक्षा कर पाए।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि झाबुआ जिले में महिलाओं की साक्षरता का प्रतिशत 43.3 है जो कि बहुत ही कम है। इस प्रतिशत को और अधिक बढ़ाने की आवश्यकता है। कलेक्टर सिंह ने इस अवसर पर महिलाओं को प्रमाण पत्र तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में निहाली चौहान ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला तथा बाल विकास अजयसिंह चौहान, सहायक संचालक द्वय आरएस बघेल, वर्षा चौहान, महिला तथा बाल विकास विभाग के समस्त अधिकारी बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन लक्ष्मी तिवारी तथा आभार परियोजना अधिकारी मीरा गाडगे माना।

महिला खिलाड़ियों को पुरूस्कार वितरण

जनजातीय कार्य विभाग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर क्रिकेट प्रतियोगिता तथा महिला सम्मान समारोह का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान में किया गया। इस समारोह में कलेक्टर रोहित सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर खिलाडियों को पुरूस्कार भी प्रदान किए। इस क्रिकेट प्रतियोगिता में 9 टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कसमा रावत ने अपने अनुभव साझा किए। कलेक्टर सिंह ने समापन अवसर पर जिला कोषालय अधिकारी ममता चौगड़, प्रो. गीता दुबे, मिस्त्री कसमा रावत को सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर, सहायक आयुक्त जनजाति कार्यविभाग प्रशांत आर्या, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ सोहन कनास, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर एलएन गर्ग, सहित अन्य अधिकारी तथा महिला खिलाड़ी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन हरिश कुण्डल ने किया।

स्वामित्व अभियान के तहत जिले में ड्रोन सर्वे आरंभ

माही की गूंज, रतलाम।

राज्य शासन के स्वामित्व अभियान के तहत जिले में आबादी सर्वे का कार्य किया जा रहा है, इसके लिए ड्रोन की मदद ली जा रही है। मंगलवार से जिले में ड्रोन सर्वे आरंभ कर दिया गया है।

अधीक्षक भू-अभिलेख रमेश सिसोदिया ने बताया कि, जिले के जावरा तहसील के ग्रामों में ड्रोन सर्वे आरंभ किया गया है। ग्राम मोरवन, भड़का तथा शक्करखेड़ी में मंगलवार को ड्रोन से सर्वे किया गया। ड्रोन द्वारा लिए जाने वाले फोटोग्राफ के आधार पर संबंधित पटवारी को फोटो, नक्शे उपलब्ध कराए जाएंगे, जिसके आधार पर पटवारी सर्वेक्षण करेगा। उल्लेखनीय है कि, सर्वे ऑफ इंडिया की टीम जबलपुर से ड्रोन सर्वे के लिए आई है जिसके 3 सदस्य सर्वे कार्य पूरा होने तक जिले में रहेंगे।

आरटीओ से जुड़ी 18 सेवाएं अब मिलेगी ऑनलाइन

माही की गूंज, मंदसौर।

ड्राइविंग लाइसेंस के लिए अब आपको परिवहन कार्यालय जाने की जरूरत नहीं होगी, आरटीओ से जुड़ी 18 सेवाएं ऑनलाइन हो गई हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से जारी अधिसूचना में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी की कई जरूरी सेवाओं को डिजिटल करने की घोषणा की है। सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की और से जारी अधिसूचना में उल्लेख है कि, नागरिकों को सुविधाजनक और बिना परेशानी के सेवाएं देने के लिए नई व्यवस्था लागू की जा रही है।

कहीं से भी ड्राइविंग लाइसेंस के लिए ऑनलाइन एप्लाई किया जा सकेगा। अब ड्राइविंग लाइसेंस और गाड़ी का रजिस्ट्रेशन कराने के लिए किसी दूसरे का दस्तावेज देने की जरूरत नहीं होगी। आपको सिर्फ विभाग की वेबसाइट पर जाकर अपने आधार कार्ड को वेरिफाई करना होगा और 18 सुविधाओं का फायदा उठा सकेंगे।

नई व्यवस्था में यह 18 सेवाएं हुईं ऑनलाइन

नई व्यवस्था में आधार लिंक्ड वेरिफिकेशन के जरिए 18 सुविधाएं ऑनलाइन की हैं। इनमें लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस, ड्राइविंग लाइसेंस का रीन्यूअल (जिसमें ड्राइविंग टेस्ट की जरूरत नहीं पड़ती), डुप्लीकेट ड्राइविंग लाइसेंस, ड्राइविंग लाइसेंस और गाड़ियों की आरसी में पते का बदलाव, इंटरनेशनल ड्राइविंग परमिट, लाइसेंस से वाहन की श्रेणी को सरेंडर करना, अस्थाई वाहन पंजीकरण, पूरी तरह से बनी हुई बॉडी के साथ मोटर वाहन के पंजीकरण के लिए आवेदन सेवाएं शामिल हैं।

यह सुविधाएं भी घर बैठे मिलेंगी

अन्य सेवाओं में पंजीकरण का डुप्लीकेट प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन करने की बात हो या पंजीकरण के प्रमाण-पत्र के लिए एनओसी देने के लिए आवेदन किया जाना हो उसे ऑनलाइन किया जा सकेगा। इसके अलावा मोटर वाहन के स्वामित्व के ट्रांसफर की सूचना, मोटर वाहन के मालिकाना हक के ट्रांसफर के लिए आवेदन ऑनलाइन किए जा सकेंगे। पंजीकरण प्रमाण-पत्र में पता बदलने की सूचना से लेकर मान्यता प्राप्त ड्राइवर प्रशिक्षण केंद्र से चालक प्रशिक्षण के लिए पंजीकरण के लिए आवेदन, राजनयिक अधिकारी के मोटर वाहन के पंजीकरण के लिए आवेदन नई सुविधा में शामिल किए हैं।

जिले की स्थिति

डीटीओ रीना किराड़े के अनुसार जिले में हर माह 5 सौ लर्निंग लाइसेंस, रिन्युअल के 250, डूप्लीकेट ड्राइविंग लाइसेंस के 100 तथा लाइसेंस में संशोधन के 50 मामले आते हैं। सबसे ज्यादा 1 हजार मामले एनओसी के होते हैं। दोपहिया, चारपहिया सहित लोडिंग और ट्रक, बस रजिस्ट्रेशन के 2 हजार 5 सौ प्रकरण हर माह आते हैं।

जनसुनवाई में आवेदनों पर जारी किए दिशा-निर्देश

माही की गूंज, रतलाम।

जिला स्तरीय जनसुनवाई मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती मीनाक्षीसिंह तथा डिप्टी कलेक्टर सुश्री सिराली जैन ने जनसुनवाई करते हुए आवेदकों को सुना। आवेदनों पर कार्रवाई के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए, इस दौरान 62 आवेदनों पर सुनवाई की गई।

जनसुनवाई में नामली वार्ड क्रमांक 9 निवासी सुनील पिता गोपालजी ने आवेदन दिया कि, उसे आवास योजना में मकान निर्माण के लिए तीसरी किस्त अब तक प्राप्त नहीं हुई है, मकान कार्य पूरा हो चुका है। नामली के लाला पिता सत्यनारायण ने भी आवेदन में कहा कि, आवास योजना में आवेदन देने और लिस्ट में नाम होने पर भी आवास का लाभ नहीं मिला है। रानीगांव पिपलोदा निवासी ललिताबाई ने आवेदन दिया कि, उसको प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मावता से बिना किसी कारण स्वीपर पद से हटा दिया गया है। नगर निगम जल प्रदाय विभाग में दैनिक वेतनभोगी के पद पर कार्यरत प्रभुलाल द्वारा आवेदन दिया गया कि, एक अन्य व्यक्ति द्वारा उसके साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग एवं मारपीट की गई। ग्राम उमरन के ग्रामीणों ने आवेदन दिया कि, गांव के मजरे हिम्मतगढ़ में भंवर पिता धन्ना के मकान से लेकर हेमराज के मकान तक घाट की कटिंग कर रोड बनाए जाना अत्यावश्यक है क्योंकि ग्रामीणों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। सैलाना की पूजा ने आवेदन दिया कि, उसके पति की दुर्घटना में मृत्यु हो गई, आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सभी आवेदन संबंधित अधिकारियों के पास कार्रवाई के लिए प्रेषित कर निर्देश जारी किए गए।

अंतिम सूची पर दावा आपत्ति 12 मार्च तक

माही की गूंज, रतलाम। महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना रतलाम ग्रामीण क्रमांक 1 के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका पदों के लिए चयनित अंतिम सूची 5 मार्च को जारी कर दी थी। परियोजना अधिकारी श्रीमती भारती चौहान ने बताया कि, अंतिम सूची पर यदि किसी को दावा आपत्ति करना है तो वह महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना रतलाम ग्रामीण क्रमांक 1 के कार्यालय नरसिंह वाटिका लक्कड़पीठा में आगामी 12 मार्च तक में प्रमाण-पत्र के प्रस्तुत कर सकता है।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के नाम पर प्रशासन का दोहरा रवैया

एसडीएम के आदेश का पालन नही कर रहे नायब तहसीलदार और गिरदावर

गूंज ने प्रमुखता से उठाया था मुद्दा, जांच में पाए गए अतिक्रमण को हटाने के हुए थे आदेश

माही की गूंज, पेटलावद।

ग्राम बनी में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर कब्जा करने और अन्य लोगो की निजी भूमि के सामने अतिक्रमण कर आवाजाही का रास्ता रोकने का मामला सामने आने के बाद उक्त मामले को गूंज द्वारा प्रमुखता से उठाया था, मामले की शिकायत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को की गई थी। विगत तीन सालों से चल रही शिकायत में लगभग 4 माह बाद समस्त प्रमाण और मौका जांच के प्रतिवेदन देखने के बाद अनुविभागीय अधिकारी ने गूंज की खबर को प्रमाणित करते हुए मामले में 11 फरवरी को आदेश जारी कर नायब तहसीलदार को 8 मार्च को अतिक्रमण हटाने के लिए कहा गया था। लेकिन राजस्व विभाग की और से अतिक्रमणकर्ताओ को नोटिस जारी करने के बाद भी अतिक्रमण नही हटाया गया। शिकायतकर्ता ने जब अतिक्रमण नही हटाने के कारण जिम्मेदारो से पूछे तो, गिरदावर मचार ने कहा कि, तहसीलदार के पास जाओ। जब नायब तहसीलदार वर्मा के पास गए तो उनका कहना है कि, आदेश एसडीएम साहब ने दिया है उनके पास जाओ। मामले में एसडीएम गेमावत का कहना है कि, मेरे द्वारा आदेश जारी कर अतिक्रमण हटाने को कहा गया था अब तक अतिक्रमण क्यो नही हटा है मैं दिखवा लेता हूं।

राजनीति हो रही मामले में, अतिक्रमण नही हटाने के लिए बनाया जा रहा है दबाव

अतिक्रमण हटाने के आदेश के बाद अब मामले में राजनीति शुरू हो गई है। बताया जा रहा है, कुछ सत्ता पक्षीय नेता न्यायालय के आदेश को अपने पैर की जूती समझकर आदेश का पालन नही करवाने का दबाब बनाकर अतिक्रमण हटाने से रोक रहे है।

शिकायतकर्ता ननु मुनिया और कालू मचार ने बताया कि, अधिकारियों के चक्कर लगाने और एसडीएम के आदेश के बाद भी अतिक्रमण नही हटाया जा रहा है और जब गिरधावर और नायब तहसीलदार के पास गए तो उनका कहना है कि, हमारे ऊपर दबाव है तुम एसडीएम के पास जाओ उन्होंने आदेश किया है वही हटाएंगे।

प्रशासन अपना रहा दोहरा रवैया, सीएम हेल्पलाइन पर की शिकायत

प्रशासन द्वारा विगत दिनों में ग्राम घुघरी, रामगढ़, जामली में अतिक्रमण हटाया गया लेकिन बनी के मामले में प्रशासन दोहरा रवैया अपनाते हुए आदेश के बाद अतिक्रमण हटाने से कन्नी काट रहे है। अक्सर ऐसे मामलो में अतिक्रमणकर्ताओ से बड़ी राशि रिश्वत के रूप में भी ले जाती है और मामले को जैसे-तैसे दबाया जाता है। परेशान दोनों शिकायतकर्ता द्वारा मामले की शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर की गई है, जहां से शिकायत पंजीयन क्रमांक 13560487 और 13560519 दिया गया है। अब उम्मीद है कि, शिकायत का निराकरण होकर अनुविभागीय न्यायलय के आदेश का पालन होगा।

तीन साल से लड़ाई है जारी, अतिक्रमणकर्ता ने नही की कोई अपील

ननु और कालू अपने घर के सामने से शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए विगत तीन सालों से लड़ाई जारी रखे हुए है। इस बीच मे आपसी विवाद के कारण पुलिस द्वारा प्रकरण तक बनाए गए, लेकिन दोनों ने कदम पीछे नही लिए। पूरे मामले को गूंज की कलम के माध्यम से प्रकाशित भी किया गया, जिसके बाद मामले की जांच और निर्णय हो सका। अतिक्रमणकर्ता द्वारा भूमि उसकी होने के संबंध में कोई प्रमाण पेश नही किया न ही ग्राम पंचायत में कोई रिकॉर्ड मिला। 11 फरवरी के आदेश के बाद से अतिक्रमणकर्ताओ द्वारा अब तक कोई अपील भी नही की गई है बाबजूद इसके जिम्मेदार अतिक्रमण हटाने की बाज़ाए टालमटोल कर रहे है।

न्यायालय द्वारा नायब तहसीलदार को अतिक्रमण हटाने के जारी आदेश की प्रति।

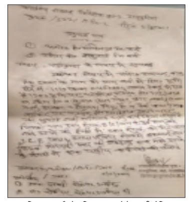

अतिक्रमणकर्ता को अतिक्रमण हटाने हेतु जारी नोटिस जिस्का पालन नही हुआ।

अटल यूथ क्रिकेट चेम्पियनशिप का हुआ शुभारंभ

माही की गूंज, थांदला।

क्रिकेट एक ऐसा खेल है जो हर क्षेत्र में खेला जाता है, क्रिकेट भारत का लोकप्रिय खेल बन चुका है जिससे स्पर्धा के माध्यम से हमारे देश की प्रतिभाएं निखरती है उक्त बाते दशहरा मैदान में भाजपा मंडल द्वारा आयोजित अटल यूथ क्रिकेट चैंपियनशिप के उद्घाटन के अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक ने कही। उन्होंने पहली बार खेल रही महिला खिलाड़ियों से अपेक्षा की कि, वह अपनी स्पर्धा के माध्यम से रणजी ट्रॉफी में खेलकर प्रदेश का नाम रोशन करें। आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नगर परिषद अध्यक्ष बंटी डामर ने भी संबोधित किया। उक्त आयोजन में विशेष अतिथि के रुप में भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष भानु भूरिया, श्याम ताहेड, किशोर आचार्य, कपिल पाठक, विपुल आचार्य, सुनील पण्डा, सुरेश राठौर, प्रशांत उपाध्याय, राजू धानक, अजय सेठिया, राजू गरवाल, विजय मिस्त्री, मोंटू बाबा, संजय बाबा, सुनीता पंवार, राकेश सोनी सहित पीटीआई जगत शर्मा, कालूसिंग भूरिया आदि उपस्थित थे। बता दे कि, टूर्नामेंट में प्रथम पुरस्कार 51 हजार रूपए, द्वितीय पुरस्कार 25 हजार रूपए रखा गया है, टूर्नामेंट का समापन 16 मार्च को संपन्न होगा। अतिथियों ने अटल क्रिकेट स्पर्धा का खिलाड़ियों से परिचय कर शुभारंभ किया, पहला मुकाबला मेघनगर व थांदला की महिला खिलाड़ियों के बीच प्रारंभ हुआ।

बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं योजनांतर्गत 12 मार्च को जिला स्तर पर होगा कार्यक्रम

माही की गूंज, खरगोन। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं योजनांतर्गत शुक्रवार को जिला स्तर पर प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में म.प्र. डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के स्व सहायता समुह के कुल 10 एवं परियोजना स्तर के कुल 22 समुह द्वारा स्टॉल एवं व्यंजन प्रतियोगिता के लिए 10 स्टॉल लगाएं जाएंगे। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती रत्ना शर्मा ने बताया कि, इसके अलावा हुनर हाट, जिसमें बॉस वाले प्रोडक्ट, हाथ करघा, काकरी आयटम, मिट्टी वाली चीजे, महेश्वरी साड़ियां, कान्हा की मोहर पंख, मुकुट, ढोल-मांडल, पूजा की थाली निर्माण, शिवलिंग पेडिल, पापड़ का स्टॉल आदि सामग्रियों के स्टॉल नवग्रह मेला ग्राउंड पर लगाए जाएंगे। वहीं महिला स्व सहायता समुह की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी सह विक्रय स्टॉल लगाए जाएंगे।

बस स्टैण्ड पर अतिक्रमण हटाने और पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश

- अनुपस्थित रहने पर शौकाज नोटिस जारी, समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

माही की गूंज, झाबुआ।

समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर रोहित सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। सिंह ने समाधान ऑनलाईन वीडियों कान्फ्रेंसिंग में चयनित विषयों की शिकायतों की विभागवार सघन समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे इन शिकायतों का तत्काल निराकरण करें। सिंह ने इटावा गांव के हनुमान फलिया में पेयजल समस्या के निराकरण के लिए 2 हैण्डपम्प खनन की कार्यवाही तत्काल करने के निर्देश कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी को दिए।

कलेक्टर सिंह ने झाबुआ बस स्टैण्ड पर अतिक्रमण हटाने और पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश अनुविभागीय दण्डाधिकारी झाबुआ तथा मुख्य नगरपालिका अधिकारी झाबुआ को दिए। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री हेल्पलाईन पोर्टल पर विभिन्न स्तरों पर दर्ज शिकायतों की विभागवार समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे लंबित शिकायातों का आगामी एक सप्ताह में शतप्रतिशत संतुष्ठी पूर्वक निराकरण सुनिश्चित करें। सिंह ने मुख्यमंत्री हेल्पलाईन पोर्टल पर 300 दिवस से अधिक अवधि की लंबित शिकायतों की विभागवार समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे इन शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुए तत्काल निराकरण सुनिश्चित करें। आयुष्मान भारत योजना की प्रगति की कलस्टर वार समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति के लिए हर संभव प्रयास करें।

शौकाज नोटिस जारी

सिंह ने जिला परियोजना समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान, मार्कफेड प्रबंधक तथा जिला परियोजना प्रबंधक मध्य प्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को बैठक में अनुपस्थित रहने पर शौकाज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही डीएचओ के बैठक में उपस्थित नहीं होने पर एक वेतन वृद्धि असंचय प्रभाव से रोकने के निर्देश दिए। सिंह ने विद्यालयों में छात्र, छात्राओं को गणवेश वितरण कार्य की प्रगति की समीक्षा की और गणवेश की गुणवत्ता अच्छी रहें इसके लिए सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही गणवेश के लिए कपड़ा खरीदी, सिलाई में किसी प्रकार की अनियमितता न हो इसके लिए भी अधिकारियों को सचेत किया। इस बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन, अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी जेएस बघेल, अपर कलेक्टर एमएल मालवीय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद शिशिर गेमावत, सहायक कलेक्टर आकाश सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ सोहन कनास, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला ज्योति परते, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर एलएन गर्ग, डिप्टी कलेक्टर डॉ. अभयसिंह खराड़ी सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

अधिकारियों को दो-दो दिवस का वेतन काटने के निर्देश

कलेक्टर रोहित सिंह द्वारा सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों की बैठक ली गई। इस बैठक में कम वजन के बच्चों में कुपोषण को दूर करने के लिए आवंटित बच्चों को देखने के लिए अधिकारियों के भ्रमण की स्थिति की समीक्षा की और जिन अधिकारियों द्वारा भ्रमण नहीं किया गया। ऐसे अधिकारियों को दो-दो दिवस का वेतन काटने के लिए नोटिस देने के निर्देश दिए। सिंह ने जनप्रतिनिधियों, जजों, रोटरी क्लब, ठेकेदारों व अन्य व्यक्तियों को कम वजन के बच्चों को गोद लेने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया ताकि बच्चों में कुपोषण को दूर किया जा सके।

खरगोन को मिला रक्तदान चलित वाहन

माही की गूंज, खरगोन। म.प्र. शासन लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जिले को एक उच्च स्तर की रक्तदान चलित वाहन प्रदाय किया गया। सिविल सर्जन डॉ. दिव्येश वर्मा ने बताया कि, गत दिवस स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने प्रदेश के 24 जिलों को रक्तदान चलित वाहन आवंटित किया है, इसी के अंतर्गत जिले को यह वाहन प्राप्त हुआ। डॉ. वर्मा ने बताया कि, इस वाहन में 2 काउच, फ्रीज, जीपीएस ट्रेकिंग सिस्टम और एसी युक्त है, यह वाहन ऐसे स्थान पर भी रक्तदान कराने के योग्य है, जहां अधिक संख्या में व्यक्ति है और वे ज्यादा दूरी तक नहीं आ सकते। कोई व्यक्ति कैंप लगाता है और शादी वाले आयोजन में रक्तदान करने के लिए आगे आते है, तो संपर्क करने पर वाहन उपलब्ध कराया जाएगा।

कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी ने वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वाहन में सबसे पहले रक्तदान करने वाले संचार प्रतिनिधि शशिकांत शर्मा है, रक्तदान के पश्चात उन्होंने कहा कि, रक्त का विकल्प आज तक नहीं बना है। यह मानव के जीवित शरीर में संग्रहित रहता है, हर किसी व्यक्ति को जीवन में एक बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए।

मिशन नगरोदय कार्यक्रम का आयोजन 12 मार्च को

माही की गूंज, बड़वानी। मिशन नगरोदय कार्यक्रम का आयोजन नगर पालिका परिसर बड़वानी में 12 मार्च को दोपहर 1 बजे से किया जाएगा, इस दौरान मुख्यमंत्री के राज्यस्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी किया जाएगा।

नपा अधिकारी कुशलसिंह डोडवे से प्राप्त जानकारी अनुसार मिशन नगरोदय कार्यक्रम दो चरण में होगा। जिसमें प्रथम चरण में दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्यक्रम होंगे। वहीं दूसरे चरण में दोपहर 3 बजे से साढ़े 4 बजे तक मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चैहान वर्चुअल माध्यम से जुडेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री प्रदेश के 1 लाख 50 हजार से अधिक प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत प्रथम एवं द्वितीय किश्त की राशि हितग्राहियों के खातों में राशि का अंतरण करेंगे। साथ पीएम स्व-निधि योजना के हितग्राहियों को चेक का वितरण कर, संवाद करेंगे। 15 वें वित्त आयोग की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से निकायों को अंतरित करेंगे। साथ ही अधोसंरचनाओं का ई-लोकापर्ण एवं भूमिपूजन कर, निकायों की पंचवर्षीय कार्ययोजना का विमोचन कर मुख्यमंत्री अपना उद्बोधन देंगे।

पेरालीगल वालेंटियर ने अंजड के विक्षिप्त युवक को भिजवाया उपचार करवाने

माही की गूंज, बड़वानी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पेरालीगल वालेंटियर सामाजिक कार्यो एवं पीडित लोगो की सेवा करने के कार्य में भी बढ़-चढ़कर भाग ले रहे है। जिसके कारण त्वरित रूप से कई ऐसी समस्याओं का निराकरण तेजी से हो रहा है, जिनमें पीड़ित पक्ष जानकारी के अभाव में परेशान होता था।

अंजड़ के पेरालीगल वालेंटियर सतीष परिहार से अंजड कि बुजुर्ग महिला समीम बी ने अपने विक्षिप्त बेटे सिजाउद्दीन का मानसिक उपचार करवाने की गुहार की थी। इस पर पेरालीगल वालेंटियर ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष एवं जिला सत्र न्यायाधीश राजेश गुप्ता एवं सचिव न्यायाधीश हेमंत जोशी की सहमति से संबंधित विक्षिप्त को थाना प्रभारी एवं तहसीलदार के सहयोग से जिला चिकित्सालय बड़वानी पहुंचवाकर उचित परीक्षण करवाया गया। अब यहॉ से विक्षिप्त युवक को बेहतर इलाज के लिये इन्दौर भेजा जाएगा, जहां उसका समुचित उपचार निःशुल्क हो सकेगा।

मनकामेश्वर महादेव मंदिर पर चल रहा साप्ताहिक विवाह उत्सव

माही की गूंज, झाबुआ।

मनकामेश्वर महादेव महिला मंडल शिव प्रिया समिति तथा अखिल भारतीय क्षत्रीय महासंघ द्वारा पार्वती विवाहोत्सव का जश्न बड़े ही धूमधाम से मनाया जा रहा है। गणेश पूजन, गृह शांति, मूर्तियों का शुद्धिकरण हल्दी, मेंहदी, हवन, सुंदर कांड, बजरंग बाण, ननृत्य भजन, हल्दी मेंहदी और विवाह गीत, माता पूजन, प्रोसेशन, महिला संगीत आदि आयोजनों में पूरे विवाह उत्सव की तरह ही सभी रस्मों की अदायगी की जा रही है। हल्दी की रस्म पूरी कर सभी बहनों ने एक-दूसरे को पवित्र हल्दी लगाई। इसके बाद ढोल और बैंड पर खूब नृत्य किया। माता पूजन में के लिए सीतला माता मंदिर में जाकर माता पूजन कर सभी महिलाओं ने खूब नृत्य और गरबे किए। इसके बाद सज्जन रोड, राजबाड़ा, मुख्य बाजार तथा लक्ष्मी बाई मार्ग से होते हुए लगभग 200 से 300 महिलाओं का बड़ा प्रोसेशन निकला। अंत में महादेव मंदिर पर इसका समापन हुआ। दिन में श्री शिव पुराण का वाचन किया गया। जिसमें सभी बहने तथा समिति के समस्त सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासंघ से देवकन्या सोनगरा, शिवकुंवर तथा कृष्णा साकला, दीपिका चौहान, मीनाक्षी, सुलोचना चौहान, रूपा राठौरा, शीतल जादौन, संगीता राठौर, निरमला पवार, बेबी परमार, संगीता सकला, रेखा परिहार, राखी सिसोदिया, दुबे, कीर्ति लता देवल, स्मृती भट्ट, रेखा पुरी, ललिता पुरी आदि अनेक महिलाएं उपस्थित थी।

नीलकंठेश्वर महादेव और सिंघेश्वर धाम पर आज महाशिवरात्रि पर्व पर होंगे विभिन्न आयोजन

सिंघेश्वर में एक क्विंटल खिचड़ी का होगा वितरण तो नीलकंठेश्वर की निकलेगी बारात, भक्तो का लगेगा तांता

माही की गुंज, पेटलावद/झकनावदा।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी समूचे अंचल में भगवान भोलेनाथ का पर्व महाशिवरात्रि हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। सभी समितियों द्वारा तैयारियां अंतिम दौर में की जा रही है। पेटलावद क्षेत्र की बात की जाए तो मुख्य रूप से महाशिवरात्रि पर्व झकनावदा के सिंघेश्वर धाम, पेटलावद नगर के निलकंठेश्वर महादेव मंदिर, प्राचीन भूतेश्वर महादेव (फूटा) मंदिर, शिवमठ मंदिर पर विशेष पूजा-अर्चना होगी। इसी के साथ क्षेत्र के अन्य शिव मंदिरो में भी विशेष आयोजन होंगे।

नीलकंठेश्वर महादेव की निकले की बारात, आकर्षक का केंद्र होंगे स्थानीय और अन्य राज्य के कलाकार

शिव मित्र के तत्वाधान में शाम 5 बजे से भगवान निलकंठेश्वर महादेव की शाही बारात निकाली जाएगी, जो नगर के प्रमुख मार्गो से होकर गुजरेगी, जिसमें कई तरह की विशेष प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेगी। इंदौर के कलाकारो द्वारा शिव तांडव की पेशकश, बरसाना के कलाकारों द्वारा राधा-कृण का मनमोहक श्रृंगार, बड़ौदा (गुजरात) के कलाकारों द्वारा शिव-पार्वती की जीवंत झांकी की पेशकश, उज्जैन महांकाल के कलाकारों द्वारा भस्म रमईया अघोरी रूप की पेशकश, इंदौर के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा बजरंग बली टोली की पेशकश, देवास के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा मां कालका का रौद्र रूप, कोटा (राजस्थान) के कलाकारों द्वारा घुमर नृत्य समूह की पेशकश आदि आकर्षण का केंद्र रहेंगे। सुबह जलाभिषेक के बाद ध्वजा चढ़ाने के बाद रात्रि 12 बजे 101 दीपो से महाआरती भी की जाएगी।

सिंघेश्वर धाम झकनावदा

नीलकंठेश्वर पेटलावद

सिंघेश्वर धाम पर एक क्विंटल साबूदाने की खिचड़ी का होगा वितरण

ग्राम झकनावदा मे मधु कन्या नदी के तट पर स्थित शंकर मंदिर पर बाबा भोलेनाथ के महाशिवरात्रि पर आयोजन की तैयारियां अंतिम दौर में चल रही है, इन तैयारियों में महाकाल मित्र मंडल झकनावदा का विशेष रूप से सहयोग मिल रहा है। मंडल के सभी सदस्य साज-सज्जा में लगे हुए हैं और महाशिवरात्रि पर झांकी का निर्माण कर नगर में बाबा भोलेनाथ का नगर भ्रमण कर भव्य आरती व महाप्रसादी का आयोजन रखा गया है, जिसमे एक क्विंटल साबूदाने की खिचड़ी का वितरण किया जाएगा। मंडल के सभी सदस्यों ने अधिक से अधिक संख्या में भक्तों को आने का आग्रह किया है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर हुए आयोजन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जिला आयुष अधिकारी डॉ. नयनसिंह वास्कले के मार्गदान में ग्राम पंचायत भवन चांदपुर में आयुष स्वास्थ्य केन्द्र चिकित्सक डॉ. रचना मधुकर द्वारा किशोरी बालिकाओं एवं आजीविका मिशन से जुड़ी समूह की महिलाओं को नारी सशक्तिकरण तथा आयुर्वेद से उत्तम स्वास्थ्य और जीवन के लाभ कैसे पा सकते हैं तथा योग के द्वारा शारीरिक तथा मानसिक रूप से स्फूर्तिवान कैसे रहा जा सकता है। उक्त विषय पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। इसी के साथ में बालिकाओं को गुड टच और बेड टच के बारे में बताया गया, साथ ही योगा भी कराया गया।

इस अवसर पर आयुष चिकित्सक डॉ. रचना मधुकर ने आयुष केन्द्र के माध्यम से मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरपंच चांदपुर, सुश्री रंजना भिंडे, सेक्टर सुपरवाइजर श्रीमती शीला डावर, ब्लॉक मेंबर म. प्र. राज्य आजीविका मिशन श्रीमती मेरी मावी तथा सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी सलीम खान उपस्थित थे।

स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य शिविर का आयेजन हुआ। शिविर का शुभारंभ सिविल सर्जन डॉ. केसी गुप्ता, डॉ. दामिनि पटेल तथा डॉ. योगिता अजनार के द्वारा किया गया। स्वास्थ्य शिविर में महिला अधिकारी एवं कर्मचारी की निःशुल्क सम्पूर्ण जॉच उपरांत एनिमिया, उच्च रक्त चाप, डायबिटिस, सरवाईकल ब्रेस्ट, ओरल कैंसर तथा रजोनिवृत्ति से संबधित समस्याओं की पहचान कर उपचार किया गया। कार्यक्रम में डॉ. संजय सोलंकी, आरएमओ डॉ. वर्षा सोलंकी, मेडिकल ऑफिसर डॉ. प्रितिबाला बघेल, डॉ. गीता रावत, सहायक जिला मिडिया अधिकारी श्रीमति निर्मला चौहान, श्रीमति आरती तिवारी, आरबीएसके जिला समन्वयक भुपेन्द्र मण्डलोई, श्रीमति सरोज बारिया एवं स्टॉफ उपस्थित थे।

मिनी मैराथन का आयेजन हुआ

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा बालिका एवं महिलाओं की मिनी मैराथन दौड का आयोजन किया गया। फीट इंडिया केम्पेन के तहत आयोजित उक्त आयोजन खेल परिसर अलीराजपुर से रोडधा रोड तक पांच किमी की मेंराथन दौड़ का आयोजन हुआ। आयोजन में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनिता चौहान, कलेक्टर श्रीमती सुरभि गुप्ता, अपर कलेक्टर सुरेशचंद्र वर्मा, महिला एवं बाल विकास अधिकारी विजयसिंह सोलंकी, एसडीओपी धीरज बब्बर और जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी सुश्री सन्तरा निनामा सहित बडी संख्या में बालिकाएं, महिलाएं और अन्य अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे। मिनी मैराथन का शुभारंभ कलेक्टर श्रीमती गुप्ता द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया।

मैराथन में सब जूनियर वर्ग में चेतना चौहान प्रथम, मोहिनी चौहान द्वितीय स्थान पर रही। जूनियर वर्ग में किरण सस्तिया प्रथम, सेना चौहान द्वितीय, सीता मौर्य तृतीय स्थान पर रही। सीनियर वर्ग में राली कलेश प्रथम, नीलम सोंलकी द्वितीय स्थान पर रही। हर उम्र की महिलाओं द्वारा भाग लिया गया जिसमें श्रीमती शिखा गुप्ता प्रथम, श्रीमती पूर्णिमा अरूण व्यास द्वितीय, श्रीमती सुमन गोराना तृतीय स्थान पर रही। इस अवसर पर महिला बाल विकास अधिकारी, कन्या परिसर के प्राचार्य, डीसी मिश्रा, भुपेन्द्र बघेल, प्रिकेंष वर्मा खेल विभाग के श्रीमती निलोफर बिलवाल, अजय रिछारिया, हेमन्त मुजाल्दे एवं खेल युवा संमन्वयक दिलीपसिंह बघेल, कारसिंह सस्तिया, सुश्री ज्योति राजपूत सहित अन्य का सहयोग रहा।

ट्रेनों के स्टापेज बहाल करने का सांसद गुप्ता का आश्वासन निकला खोखला, फिर से धरना प्रर्दशन होने की संभावना

माही की गूंज, मंदसौर।

सांसद सुधीर गुप्ता

मुंबई-दिल्ली रेलमार्ग पर स्थित मंदसौर जिले के प्रमुख रेल्वे स्टेशन शामगढ़ से नौ प्रमुख ट्रेनों के स्टापेज खत्म होने के विरोध में रेल बचाओ समिति 24 फरवरी को धरना दे रही थी। जिस पर 23 फरवरी को सांसद सुधीर गुप्ता ने लोगों से बातकर 8 मार्च तक धरना आंदोलन स्थगित कराया था और साथ ही कहा था कि, स्टापेज बहाल नहीं हुए तो आप स्वतंत्र हों।

समय सीमा निकल जाने के बाद मंगलवार को दिनभर सांसद ने न तो फोन उठाया और न ही ट्रेन के स्टापेज संबंधी कोई जवाब दिया। इसके बाद व्हाटसएप व फेसबुक पर मैसेज शुरू हो गए जिसमें धरना आंदोलन पुनः शुरू करने व सांसद के प्रति आक्रोश जताया गया। रेल बचाओ समिति ने घोषणा की है कि, सभी ट्रेनों के स्टापेज के लिए एक-दो दिन में धरना आंदोलन शुरू किया जा रहा है। समिति के विशाल डाबी व समीर चतुर्वेदी ने कहा कि, सांसद का आश्वासन झूठा निकला है, हमारे सांसद अपनी ही सरकार व रेल मंत्री के सामने असहाय है। समिति के राजेंद्र अरोरा काका ने बताया कि, सांसद महोदय तो बात करने को तैयार नहीं है सांसद ने जो समय दिया था उस पर अमल तो होना चाहिए, कम से कम फोन लगाकर सूचना तो देना चाहिए कि, कोई प्रयास कर रहा हूं या नहीं। इधर मंगलवार दिनभर ट्रेन सुविधाएं नहीं मिलने से परेशान लोग दिनभर इंटरनेट मीडिया पर जनप्रतिनिधियों को कोसते

मंडल अध्यक्ष बलवंतसिंह पंवार ने कहा, सांसद सुधीर गुप्ता ट्रेनों के स्टापेज के लिए लगातार प्रयासरत हैं, शीघ्र सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। वहीं रेल बचाओ समिति ने बताया कि, एक-दो दिन में धरना आंदोलन के लिए रूप-रेखा तय कर ली जाएगी, धारा 144 भी लागू है, धरने के लिए कोई परेशानी नहीं हो, इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

खेत से लहसुन चोरी करने वाले 2 आरोपियो गिरफ्तार 3 फरार

माही की गूंज, मंदसौर।

कन्हैयालाल पिता नाथुलाल बावरी (35) निवासी पिपलिया विशनिया के बोरखेडी इंदौर के रास्ते वाले खेत पर 10 आरी की लहसुन उखाड कर रखी थी, जिसे 7 मार्च की मध्य रात्रि कोई अज्ञात चोर चुराकर ले गए है। कन्हैयालाल की रिपोर्ट से थाना मल्हारगढ ने अपराध क्र 40/21 धारा 379 भादवि का पंजीबद्ध कर मामले में चोरो की खोजबिन शुरू की, भौतिक साक्ष्यों एवं हिकमत अमली के फलस्वरूप पुलिस टीम ने चोरी करने वाले आरोपी सुनिल उर्फ अजय पिता किसोर बावरी (20) नि. लसुडिया कदमाला व तरुण उर्फ तन्नु पिता रामप्रसाद बावरी (23) नि. पिपलिया विशनिया को गिरफ्तार किया, साथ ही घटना में प्रयुक्त वाहन टाटा मैजिक टेम्पो क्र. एमपी 14 एलसी 0724 एवं चोरी हुई लहसुन को भी मौके से बरामद किया। आरोपियों से घटना के संबंध में पूछताछ करने पर घटना में सम्मिलित अन्य तीन आरोपी शैतान उर्फदिपक पिता निर्भयसिंह बावरी नि लसुडिया कदमाला, रामनारायण पिता जगदीश बावरी नि लसुडिया कदमाला, सोनु पिता रामनारायण बावरी नि लसुडिया कदमाला के बारे में जानकारी मिली है जो कि, वर्तमान में फरार है जिनकी तलाश जारी है।

शोक संतप्त परिवारों को विधायक ने दी सांत्वना व आर्थिक सहायता हेतु अधिकारियों को किया निर्देशित

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ से लगभग 12 किलोमीटर दूर विधानसभा क्षेत्र जोबट के ग्राम कुण्ड में विगत दिनों तालाब में डूबने से मौत हो जाने वाले दो बालको के परिवारों में जाकर क्षेत्रीय विधायक सुश्री कलावती भूरिया ने ढ़ांढ़स बंधाया तथा हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया, साथ ही शासन की योजना अनुसार आर्थिक मदद हेतु प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया तथा विधायक निधि से सहायता देने की घोषणा भी की।

जानकारी अनुसार ग्राम कुण्ड में 4 मार्च को एक वृद्धा के निधन पर उसके अंतिम संस्कार हेतु ग्रामीण श्मशान घाट ले गए थे, उनके साथ ही मेम्बर फलिया के दो बच्चे क्रमशः कुलदीप पिता इडला (12) सुरेश पिता भुवान (12) भी गए थे। समीप स्थित तालाब में पड़ी एक डोंगी (छोटी नाव) जिसे मछली पकड़ने के उपयोग में लाया जाता है, ग्रामीणों के अनुसार यह नाव कौन लाया था किसने तालाब पर रखी किसी को पता नहीं है। इसी नाम में दोनो बच्चे बैठकर तालाब में चले गए तथा नाव के पलट जाने से वे गहरे पानी में डूब गए, घटना के समय वहां किसी के भी मौजूद नहीं होने से उन्हें बचाया नहीं जा सका। जब सभी लोग घर आए तो पता चला कि, बच्चे वापस नहीं लौटे हैं खोजने पर तालाब किनारे उनके चप्पल-जूते देख आशंका हुई कि, शायद बच्चे डूब न गए हो। पानी में दोनो बच्चो की तलाश कि गई मगर दोनो बच्चे नहीं मिले तथा अंधेरा हो जाने के कारण तलाश बंद कर 5 मार्च को पुनः तलाशी अभियान चलाया गया तो, गहरे पानी के नीचे कीचड़ तथा घास में दोनों बच्चों के शव मिले।

घटना की जानकारी विधायक को भोपाल में चल रहे विधानसभा सत्र के दौरान पता चली। विधानसभा का अवकाश होने के कारण क्षेत्रीय विधायक सुश्री कलावती भूरिया 7 मार्च को पीड़ित परिवारों से उनके गृह ग्राम कुण्ड के मेम्बर फलिया में जाकर मिली तथा सांत्वना प्रदान की और शासन की योजना अनुसार तथा विधायक निधि से आर्थिक मदद का आश्वासन दिया। यहां से आगे ग्राम कोटबू में भी एक शिक्षक की विगत दिनों सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो जाने से शोक संतप्त परिवारों को वहां जाकर ढ़ांढ़स बंधाया। विधायक के साथ विधायक प्रतिनिधि अमान पठान, नारायण सिंह चौहान तथा आम्बुआ, भौरदू, झोरा, दरकली, रामसिंह की चौकी, खरखड़ी, वड़ी, कुण्ड, कोटबू के कांग्रेसी कार्यकर्ता साथ में उपस्थित रहे।

बकाया बिजली बिल नहीं चुकाने पर सुची लगेगी चौराहे, चौपाल पर

आज भी भुगतान केंद्र पर भर सकेंगे बिल

माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)।

मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड मंदसौर के अधीक्षण यंत्री मनोज शर्मा एवं कार्यपालन यंत्री गरोठ दीपक बांदिल के निर्देशानुसार बड़े विद्युत बकाएदारों के विद्युत बिल की राशि वसूलने के लिए सख्त कार्रवाई की जा रही है, जो उपभोक्ता लंबे समय से विद्युत बिलों का भुगतान नहीं कर रहे हैं उनके कनेक्शन काटने की एवं जब्ती कुर्की की कार्रवाई की जा रही है। जो बड़े बकायदा है उनके नाम एवं बकाया राशि की सूची को शहर एवं गांव के चौराहे, चौपाल एवं सार्वजनिक स्थानों पर लगाई जाएगी। उक्त जानकारी देते हुए विद्युत वितरण केंद्र भानपुरा के सहायक यंत्री पवन अग्रवाल ने प्रेस नोट के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि, विद्युत बिलों की वसूली एवं विद्युत समस्याओं के समाधान हेतु नगर व ग्रामीण क्षेत्र में कैंप लगाए जाएंगे जिसमें मौके पर उपभोक्ताओं की विद्युत समस्याओं का निराकरण किया जाएगा एवं विद्युत बिल जमा करने की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

12 मार्च को भी कैंप ग्राम करमदीखेड़ा, रतनपुरा एवं भानपुरा नगर में विद्युत मंडल कार्यालय डाक बंगले के पास रखा गया है। गांधीसागर वितरण केंद्र के अंतर्गत ग्राम नावली, प्रेमपुरिया, बड़ोदिया चौकी ग्रीड एवं गांधीसागर नंबर 3 विद्युत मंडल कार्यालय एवं गांधीसागर नंबर 8 पर शिविर का आयोजन रखा गया। इसके अतिरिक्त 11 टीमें प्रतिदिन भानपुरा नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ताओं के घर जाकर डोर-टू-डोर विद्युत बिल को जमा करेंगी एवं रसीद ऑनलाइन मोबाइल पर मैसेज द्वारा देगी। उपभोक्ताओं को कंपनी के ऊर्जस पोर्टल एमपी ऑनलाइन पेटीएम अमेजॉन फोन पे आदि से अपने विद्युत बिल प्रिंट करने एवं भुगतान करने की भी सुविधा प्रदान की गई है। उपभोक्ताओं की सेवा के लिए आज महाशिवरात्रि पर्व पर विद्युत मंडल कार्यालय पर विद्युत बिल भुगतान केंद्र चालू रहेंगे।

जिला अस्पताल रेकिंग में गिरकर पहुंचा 18 वें स्थान पर

माही की गूंज, मंदसौर। साहील अगवान

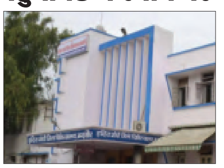

इस साल कायाकल्प में कोई सुधार नहीं दिखा सका जिला अस्पताल रेकिंग में 7 वें स्थान से गिरकर 18 वें स्थान पर पहुंच गया है। जिसके बाद प्रोत्साहन पुरस्कार से ही जिला अस्पताल को संतोष करना पड़ा। जर्जर भवन, जर्जर सीवरेज लाइन, निरंतर कम होते स्टाफ का खमियाजा रेकिंग में 11 स्थान निचे आकर भुगतना पड़ा। अंचल के गरोठ, संजीत, नाहरगढ़ जैसे केंद्र ने कायाकल्प अवॉर्ड प्राप्त किया है।

500 बिस्तर वाला जिला अस्पताल चार साल से कायाकल्प अभियान में टॉप 10 में स्थान पा रहा था, दो सालों से यह प्रदेश में 7 वें नंबर पर रहा। इस साल 18 वें नंबर पर पहुंच गया है। जिला अस्पताल प्रबंधन को 3 लाख के सांत्वना पुरस्कार से संतोष करना है। गरोठ अस्पताल को 1 लाख रुपए का अवॉर्ड मिला है। प्राथमिक संस्थाओं में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संजीत के लिए 2 लाख रुपए और नाहरगढ़ केंद्र के लिए 50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि जारी होगी।

नारी का सम्मान जहां संस्कृति की पहचान है वहां, रोटरी क्लब अपना ने मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

माही की गूंज, मेघनगर। रोटरी क्लब अपना ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हौंसलों की उड़ान कार्यक्रम का आयोजन किया। महिला स्वास्थ्य निःशुल्क शिविर, पक्षी बचाओ अभियान, पानी पत्र वितरण, फाग रंग गुलाल महोउत्सव एवं सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान आयोजन में किया गया। आयोजन का शुभारंभ मुख्य अतिथि तहसीलदार हर्षल बहरानी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांतीय व्यवस्था प्रमुख बलवंत हाड़ा, समाजसेवी रवि सुराणा, समाजसेवी अनिल मूणत, डॉ. सेमिल के आतिथ्य में हुआ। वही महिला दिवस संध्या समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में ''मिसेज इंडिया 2021'' शीतल चौहान एवं नगर थाना सब स्पेक्टर रुकमणी अहिरवार विशेष रुप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी रोटेरियन महिलाएं व रोटेरियन क्लब अपना के साथी उपस्थित रहे।

महिलाओं ने मिसेज इंडिया 2021 के साथ सभी महिलाएं पिंक कलर की के ड्रेस पहनकर आई, इस पिंक ड्रेस कोड का खिताब नगर की गोरी आंटी ने जीता एवं उन्हें पुरस्कार मेघनगर के व्यापारी भूपेंद्र भटेवरा ने दिया।

मातृ शक्तियों का किया गया सम्मान

माही की गूंज, झाबुआ।

अंर्तराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में शहर के समीपस्थ ग्राम गोपालपुरा स्थित श्री प्रजापिता ब्रम्हकुमारिज ईश्वरीय विश्वविद्यालय पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। इस अवसर पर विशेष रूप से कोविडकाल में अध्यात्म के क्षेत्र में सराहनीय सेवाएं देने पर बीके जयंती दीदी, इनरव्हील क्लब 'मेन' झाबुआ की संस्थापक ज्योति रांका सहित जिला चिकित्सालय में पदस्थ 6 नर्सेस को कोरोना वारियर्स के रूप में उनका अभिनंदन किया गया।

सर्वप्रथम संस्था पर पधारे सभीजनों को मेडिटेशन (राजयोग) बीके ज्योति दीदी ने करवाया। जिसके बाद आयोजित कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्था से जुड़ी दो नन्हीं बालिकाओं महिमा और रानू ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। कोरोना वारियर्स के रूप में जिला चिकित्सालय में पदस्थ 6 नर्सेस में मंगला सोनी, शर्मिला सरतलिया, शारदा मकवाना, हंसा बामनिया, हेतल राठौर तथा वर्षा खोगड़े का ब्रम्हकुमारी संस्था ने माला पहनाकर, संस्था का प्रतीक चिन्ह (मोमेंटो) भेंटकर अभिनंदन करते हुए अंर्तराष्ट्रीय महिला की शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर प्रसिद्ध आदिवासी कलाकार अन्नू भाबोर ने महिला सशक्तिकरण पर सुंदर आदिवासी नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं शास्त्रीय संगीत तथा महिलाओं के लिए विभिन्न खेल रखे गए। जय भीम जागृति समिति के अध्यक्ष एमएल फुलपगारे ने संस्था की सभी बहनों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। समारोह का संचालन बीके रितू बहन ने किया तथा आभार बीके ज्योति दीदी ने माना।

पंचायत में मनाया गया महिला दिवस

माही की गूंज, बनी। विश्व महिला दिवस के उपलक्ष पर ग्राम पंचायत बनी में महिला दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें स्वास्थ्य विभाग से सुश्री डॉ. निहारिका रायपुरिया, आयुष विभाग से सुरेना भोसले एवं समस्त आंगनवाड़ियों की कार्यकर्ताओं उपस्थित रही, जिनका ग्राम पंचायत बनी की और से स्वागत व सम्मान किया। इस अवसर पर डॉ. निहारिका ने महिलाओं और बच्चों के सम्बंध में शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। इस कार्यक्रम में पंचायत सचिव जामसिंह मसानिया, रोजगार सहायक भरत चौहान सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन महात्मा गांधी ग्राम सेवा केंद्र के संचालक कमल किशोर गुप्ता ने किया।

बालिका की निर्मम हत्या पर ज्ञापन सौंप हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग

माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)। प्रदेश का युवा सेन समाज एवं समाजजन एक निर्दोष मासूम बालिका के साथ अन्याय एवं निर्मम हत्या पर आक्रोशित है, शासन प्रशासन शीघ्र ही हत्यारों को गिरफ्तार कर न्याय प्रदान करें एवं दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए, शीघ्र ही आरोपियों की गिरफ्तार नहीं होने पर पूरे प्रदेश में सेन समाज आंदोलन को मजबूर होगा। यह बात सेन समाज युवा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विजय भाटिया ने कही। बता दे कि, भानपुरा निवासी ने इंदौर क्षेत्र के सांवेर तहसील के ग्राम बिलोदा में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा समाज की 14 वर्षीय बालिका तनु सेन पिता किशोर सेन को बार-बार परेशान करते हुए मौत के घाट उतार दिया गया व उक्त लोगो द्वारा अभी भी परिवार जनों को परेशान किया जा रहा है।

सांवेर तहसीलदार को कार्रवाई व सुरक्षा हेतु दिया ज्ञापन

अखिल भारतीय युवा सेन समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष परमार, केश शिल्पी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विनोद सेन, भारतीय सेन समाज के प्रदेश अध्यक्ष दीपक सेन, सीहोर जिलाध्यक्ष शुभम सेन, जिलासचिव कृष्णपाल सेन, कार्यालय प्रभारी दीपेश सेन, हाटपिपलिया समिति अध्यक्ष संतोष वर्मा, देवास जिलाध्यक्ष बाबूलाल, जिला उपाध्यक्ष दिलीप परमार, हुकुमसिंह, राजेश सेन आलोट सहित बड़ी संख्या में सेन समाजजन उपस्थित थे।

'कुछ पल राम के नाम' कार्यक्रम 31 मार्च को, पं. विजय शंकर मेहता देंगे व्याख्यान

समिति की मातृ शक्तियों ने किया आमंत्रण पत्रिकाओं का विमोचन

माही की गूंज, झाबुआ।

श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर सेवा समिति हनुमान टेकरी झाबुआ द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 31 मार्च, बुधवार को स्थानीय बस स्टेंड के पीछे शहनाई गार्डन पर 'कुछ पल राम के नाम' व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें देश के प्रख्यात चिंतक, विचारक, आध्यात्म और प्रेरक गुरू पं. विजय शंकर मेहता के मुखारविन्द से उक्त विषय पर व्याख्यान होंगे।

इस संबंध में आयोजक श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर सेवा समिति झाबुआ की बैठक स्थानीय हनुमान टेकरी पर रविवार को हुई। जिसमें अतिथि के रूप में समिति से जुड़ी सीमा चौहान, किर्ती देवल, गौरी कटारा, प्रभा डामोर, मंजुला शाह, रीना शर्मा आदि उपस्थित थी। अतिथियों का स्वागत समिति की ओर से अध्यक्ष अरूण भावसार, प्रेमअदीपसिंह पंवार, प्रदीप सोनी, पल्लूसिंह चौहान, सुभाष गिधवानी, अशोक शर्मा, पवनेन्द्रसिंह चौहान, तरूण बैरागी, पुष्पनेन्द्र नीमा, बृजकिशोरसिंह सिकरवार, दिनेश चौहान, श्यामसुंदर शर्मा, डॉ. लोकेश दवे, लक्ष्मीकांत सोनी, दौलत गोलानी, द्विवेदी, महेन्द्र गेहलोत, मोहित पुरोहित, नवटर सोनी, महिलाओं में नीता भावसार, लता देवल, लाली सोनी, रजनी चंद्रावत, चंचला सोनी, माया बैरागी आदि ने किया। अपने उद्बोधन में किर्ती देवल ने मातृ शक्ति से समर्पित कविता प्रस्तुत की। सीमा चौहान, गौरी कटारा, प्रभा डामोर ने भी बैठक को संबोधित किया।

पं. मेहता द्वारा सत्त एक घंटे तक दिए जाएंगे व्याख्यान

इस अवसर पर समिति द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी तीन दिवसीय हनुमान जयंती महोत्सव धूमधाम और सा-आनंद मनाए जाने हेतु समिति सदस्यों से आवश्यक सहयोग भी लिया गया। समिति के गजेंद्रसिंह चंद्रावत ने बताया कि आगामी 31 मार्च को स्थानीय बस स्टेंड के पीछे शहनाई गार्डन पर शाम 7.30 बजे से 'कुछ पल राम के नाम' व्याख्यान का आयोजन रखा गया है। जिसमें देश की ख्यातनाम हस्ती पं. विजयशंकर मेहता इस विषय पर सत्त एक घंटे अपना उद्बोधन देंगे। उक्त कार्यक्रम के लाभार्थी स्व. इंदिरा अंबालाल भाटी की स्मृति में प्रसिद्ध उद्योगपति मनोज भाटी, स्व. मधुकांता रमणलाल सोनी तथा स्व. निरंजना सोनी की स्मृति में समाजसेवी प्रदीप सोनी तथा स्व. कंचन नंदकिशोर पोतदार की स्मृति में महेन्द्रकुमार पोतदार, रानापुर रहेंगें। व्याख्यान बाद प्रसादी का लाभ जितेन्द्रकुमार रमेशचन्द राठौर परिवार द्वारा लिया गया है।

कुछ पल राम के नाम' आयोजन की आमंत्रण-पत्रिकाओं का विमोचन करते समिति की मातृ शक्तियां

आमंत्रण-पत्रिकाओं का किया विमोचन

कार्यक्रम के अंत में अतिथियों में उपस्थित मातृ शक्तियों द्वारा भगवान श्री राम तथा संकट मोचन हनुमानजी के जयकारों और कर्तल ध्वनि के बीच उक्त आयोजन की आमंत्रण-पत्रिकाओं का विमोचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन शासकीय उत्कृष्ट उमा विद्यालय के प्राचार्य महेन्द्रकुमार खुराना ने किया तथा आभार डॉ. चारूलता दवे ने माना।

शराबी व्यक्ति की मौत हत्या का संदेह, परिजनो ने कहा दरवाजा खोलने के दौरान सिर पर चोट लगने से हुई मौत

मौके पर परिजनों से जानकारी जुटाते थानाधिकारी।

माही की गूंज, कुशलगढ़ (राज.)।

पुलिस थाना पाटन क्षेत्र के कस्बा छोटी सरवा में रविवार रात्रि को शराब के आदी अधेड़ उम्र के व्यक्ति की मौत होने का मामला सामने आया है। मिली जानकारी अनुसार हकरू पिता पुंजा डामोर (45) शराब का आदी होकर उसकी पत्नि करीब पन्द्रह वर्ष पहले किसी के साथ नातरे चली गई, जहां हकरू के दो बेटे हैं जिसमें एक मनोरोगी है, छोटा बेटा गुजरात में मजदूरी पर गया हुआ है। ऐसे में रविवार देर रात को हकरू शराब के नशे में घर आया तथा जोर से दरवाजा खोलने पर दरवाजा दिवार से टकराकर सीर पर लगा जिससे हकरू अचेत हो गया, जिसे करीब एक घंटे बाद उसकी मां ने चौखट के अन्दर औंधे मुंह लहुलुहान अवस्था में देखा। अगली सुबह हकरू की मौत की सूचना मिलने पर थानाधिकारी रमेश मीणा मय जाप्ता पहुंचे तथा घटनास्थल देखने के बाद संदेहास्पद स्थिति पर मृतक हकरू की अंतिम शव यात्रा को रूकवाकर मौके से सारे साक्ष्य लेकर परिजनों से जानकारी ली। जहां मृतक के पिता पुंजा ने मर्ग दर्ज कराया इसके बाद पुलिस शव को बांसवाड़ा एमजी अस्पताल ले गई तथा शाम को पीएम के बाद हकरु का शव परिजनों को सौंप दिया। बता दें कि, कुछ दिन पूर्व हकरू का शराब के नशे में झगड़ा होकर मारपीट हुई, जिसमें उसके माथे और शरीर पर पट्टिया बंधी होना पाया गया तथा सिर पर गहरा घांव होकर अधिक खून बहने से रात को ही घर में मौत होना सामने आया।

मौके पर साक्ष्य जमा करते पुलिसकर्मी।

घोटालेबाज नेता और भ्रष्ट अधिकारी डरपोक भी...

मनरेगा में भ्रष्टाचार के नए आयाम गढ़ता पेटलावद विकास खण्ड, अनुमोदन के नाम पर रुका खेल बिना जांच के फिर शुरू

ईमानदारी की पिपडी बजाने वाले अधिकारियों ने दबाव में कमीशन लेकर दिया अनुमोदन

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

मनरेगा कार्यो में चल रहे घोटाले और अनियमित्ताओं के बीच जनता के चुने हुए प्रतिनिधि और सरकार का प्रशासन से आमना-सामना हो गया है, पूरे मामले में ''हमाम में सब नंगे'' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। घोटालेबाज़ नेता, भ्रष्ट और कमीशनखोर अधिकारियों ने मिलकर आखिर विकास खण्ड में मनरेगा के कार्य मे भ्रष्टाचार के नए आयाम गढ़ रहे है।

मामला पेटलावद विकास खण्ड का है जहां सांसद और विधायक के द्वारा तीन करोड़ से अधिक के कार्यो का नियमानुसार अनुमोदन नही करने का हवाला देकर रोक दिया, कार्य से जुड़े अघोषित ठेकेदार और नेता इसे जिले के अधिकारियों की कमीशन के लिए की गई कार्रवाई बता रहे थे तो, जिले के अधिकारी कार्य नियमानुसार नही होने का हवाला देकर कार्यो के लिए जरूरी कार्रवाई पूरी कर कार्य शुरू करने की बात कर रहे थे। चुंकी मामला सीधा-सीधा सांसद और विधायक से जुड़ा था इसलिए ये साफथा कि, ये कार्य ज्यादा दिन नही रुकने वाले और अधिकारियों को इसका बाकी रहा अनुमोदन करना पड़ेगा। मामला यहां तक बढ़ गया कि, सांसद को मनरेगा योजना के परियोजना अधिकारी मनोज भारस्कर की भूमिका 13 कार्यो को रोकने के पीछे संदिग्ध बताकर मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव तक शिकायत कर दी। कार्य मे लगे आरईएस के अघोषित ठेकेदार जिन्होंने कार्य स्वीकृति के लिए स्थानीय स्तर से लेकर अपने आकाओं की भेंट पूजा कर दी थी, कार्य बन्द होने पर लगातार अपने आकाओं पर दबाव बनाकर कार्य रोकने वाले अधिकारियों को जिले से रवाना करवाने में लगे थे और इस दिशा में कार्रवाई कर कार्यो के अनुमोदन के लिए प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से दबाव बनाकर और कमीशन की रकम पर समझौता कर आखिर रोके गए कार्यो अनुमोदन करवा लिया।

बन्द कमरे की चार दिवारी में बैठकर कर दिया अनुमोदन, कार्यो की जांच की गूंज ने लगाई थी गुहार

कार्य रोके जाने पर अधिकारीयों ने अपने आपको ईमानदार बताने की पुरजोर कोशिश की, कार्यो में भारी हेरा-फेरी और लागत से अधिक बने स्टीमेंट, बने हुए रोड का पुनः निर्माण, पुराने रोड जिनके बनने के बाद उनकी गारंटी का समय पूरा नही होने जैसी जानकारी गूंज द्वारा दी गई और अधिकारियों को जमीनी स्तर पर मौके की जांच करने के बाद कार्यो के अनुमोदन की बात कही गई थी। लेकिन ईमानदारी का ढोल पीटने वाले अधिकारियों ने रोके गए लगभग सभी कार्यो का अनुमोदन ऑफ़िस की चार दीवारी में बैठ कर दिया। मामले में मनरेगा के जिला परियोजना अधिकारी मनोज भारस्कर का कहना है कि, कार्य के अनुमोदन के लिए जितने भी जरूरी दस्तावेज की आवश्यकता होती है उनको देखकर अनुमोदन किया गया और ये कहकर पल्ला झाड़ लिया कि, विकास खण्ड के जवाबदार अधिकारीयो की निरीक्षण रिपोर्ट लगी हुई है जिसके आधार पर ही अनुमोदन किया गया है।

सब कमीशन का खेल, मनरेगा योजना में हुए व्यारे न्यारे

भाजपा की केंद्र में सरकार आने के बाद शुरू में मनरेगा योजना के बजट में भारी कमी की गई थी लेकिन दूसरी बार सरकार में लोटी भाजपा ने मनरेगा को मजदूरों को रोजगार का माध्यम मानते हुए बजट में बढ़ोतरी कर दी, जिसके बाद से मनरेगा योजना के अंतर्गत पैसो की बारिश होने लगी। निजी कपिल धाराकूप, सार्वजनिक कूप, सदुर सड़क, निस्तार तालाब, जीएसबी मार्ग, मेड बंधन, नदी पुनर्जीवन, कंटूर खुदाई सहित कई निर्माण कार्यो मनरेगा योजनाओं के माध्यम किए जा रहे है। कोरोना संक्रमण के बाद मजदूरों को मजदूरी देने और पलायन रोकने के लिए करोड़ो के कार्य स्वीकृत किए गए जिनको मशीनों से निपटाकर, फर्ज़ी हाजरी भर के पूर्ण कर दिए गए और ऑफद रिकॉर्ड ग्रामीण क्षेत्रो में रिकॉर्ड मजदूरी देने के दावे किए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर सब जिम्मेदार अपना-अपना हिस्सा लेकर अलग हो गए। अब तक सब कुछ ठीक चल रहा था मिली भगत से कोई मामला बहार नही आया, लेकिन पेटलावद विकास खण्ड में मनरेगा के कार्यो को रोकने के मामले सामने आने के बाद जिले में चल रहे कमीशन ओर नेताओं द्वारा इस प्रकार के कार्यो को अपने कार्यकर्ताओं को लाभ पहुंचाकर स्वयं भी मोटा माल कमाने का खुलासा हो गया है।

करेगे खुलासा...

जिन कार्यो को रोककर अनुमोदन किया उन कार्यो में भारी अनियमित्ता होने की जानकारी मनरेगा योजना के परियोजना अधिकारी मनोज भारस्कर को दी गई, लेकिन इस विषय पर ध्यान नही दिया गया और सबने अपना-अपना हिस्सा बटोरकर आँख बंद कर अनुमोदन कर दिया। कार्यो की स्वीकृति में की गई अनियमित्ता का खुलासा गूंज द्वारा किया जाएगा, तब शायद प्रदेश के अधिकारियों की नींद खुले और नियमो के साथ कार्यो के मापदंड को ताक में रखकर कार्य स्वीकृत करने वाले और अनुमोदन करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करें।

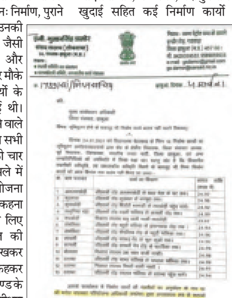

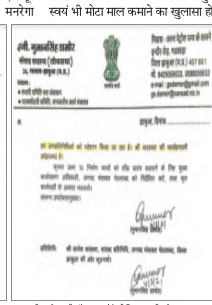

सांसद द्वारा मनरेगा योजना जिला परियोजना अधिकारी मनोज भारस्कर की कार्य प्रणाली संदेहजनक होने की शिकायत की गई।

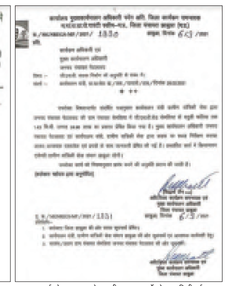

6 मार्च को इस तरह आदेश जारी कर 10 कार्यो को अनुमति दी गई।

35-35 सौ रुपए में सट्टा का कारोबार चलवा रही पुलिस, का मामला आया सामने

माही की गूंज, खवासा।

पुलिस भले ही अवैध शराब व सटोरियों के विरुद्ध छोटी-बड़ी कार्रवाई कर अपनी खानापूर्ति के साथ कार्रवाई करने की वाह-वाही लूटती है पर यह भी स्पष्ट है कि, पुलिस अवैध कारोबार को मासिक बंदी के साथ क्षेत्र में संचालित करवाती है, जिसका एक उदाहरण खवासा में चल रहे सट्टे को लेकर सामने आया है।

खवासा पुलिस ने कुछ समय पूर्व खवासा की गोपाल कॉलोनी में मुख्य रोड पर स्थित कालूराम पिता शांतिलाल पाटीदार व उसी के पुत्र भावेश पिता कालूराम पाटीदार को उसके ही घर से अलग-अलग सट्टा की खाईवाली करते हुए मय पर्चियों के साथ राशि बरामद किया था। दोनों के नाम से अलग-अलग मामला दर्ज कर पुलिस ने सट्टे के विरुद्ध कार्रवाई कर वाह-वाही लूटने वाली पुलिस 35-35 सौ रुपए लेकर सट्टा खवासा में चलवाकर युवाओं का भविष्य खराब करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है का मामला सामने आया है। कालूराम पाटीदार लंबे समय से सट्टे संचालन कर रहा है पर बीच-बीच में जब-जब कार्रवाई के संबंध में पुलिस मुहिम चलाती है, उस समय स्थानीय पुलिस सट्टा बंद करने का कह देती है कि, बाहरी पुलिस भी आकर कार्रवाई कर सकती है और आपके यहां पर सट्टा पकड़ा जाता है तो हमारी बदनामी होकर हमारे उपर भी कार्रवाई हो सकती है, कहकर सट्टे को मुहिम के दौरान बंद करने को कहती हैं। जिस पर बीच-बीच में कालूराम पाटीदार अपने सट्टे का कारोबार बंद कर देता है और जैसे ही पुलिस की मुहिम ठंडे बस्ते में होती है पुलिस को बंदी देने के साथ ही अपने सट्टे का कारोबार पुनः चालू कर देता है। इतना ही नहीं अगर कोई अन्य खवासा में सट्टा खाईवाली का कारोबार करता है तो उसके विरुद्ध स्थानीय पुलिस से शिकायत कर उसका कारोबार बंद भी करवाने का माजदा रखता है। ऐसा ही एक मामला सामने आया जिसमें गोपाल कॉलोनी के मुख्य मार्ग का ही एक व्यक्ति जो कि कालूराम पाटीदार का समाज रिश्तेदार भी है, ने सट्टा खाईवाली का धंधा कुछ दिन पूर्व चालू किया था जिससे कालूराम पाटीदार के सट्टा खाईवाल कारोबार में महज 1 सप्ताह में ही फर्क पढ़ने लगा, तो स्थानीय पुलिस को नामजद सूचना देकर गोपाल कॉलोनी में ही एक चट्टे कारोबारी के घर कार्रवाई करने हेतु पुलिस पहुंची।

दो हजार नहीं 35 सौ रुपए लेंगे कालू के साथ आपसी समझौता कर चलावों सट्टा

खवासा चौकी प्रभारी ने दो पुलिस जवान को नए सट्टे कारोबारी के यहां 4 मार्च को कार्रवाई के नाम पर कालू की शिकायत पर गोपाल कॉलोनी में भेजा। जिस समय पुलिस जवान नए सट्टे कारोबारी युवक के घर पहुंचे उस समय सट्टा वखर का समय नहीं था, जिसके कारण युवक के घर कोई भी सट्टा खेलने वाला नहीं था और न ही युवक उस समय सट्टा का पाना भर रहा था। पुलिस जवान ने युवक को कहा तूने भी सट्टा का धंधा चालू किया है, कालू ने हमको बता दिया है कालू की तरह तेरे को भी 35 सौ रुपए महीने के अगर सट्टा चलाना हो तो देना पड़ेंगे। जिस पर युवक ने कहा, मेरा कोई बड़ा धंधा नहीं है मैं दो हजार रुपए दूंगा और आज कोई कार्रवाई मत करो, कहकर 2 हजार रुपए पुलिस जवान को युवक ने दे दिए। पुलिस जवानों ने दो हजार रूपए लेकर कहा आगे से सट्टा चलाना है तो 35 सौ रुपए महीने के देना पड़ेंगे और कालू से सांठ-गांठ व समझौता कर सट्टा चलाओ, हमको कोई आपत्ति नहीं है। कहकर दोनों जवान दो हजार रूपए लेकर चले गए, पर नए सट्टा कारोबारी युवक को यह बात रास नहीं आई कि यह शिकायत किसी और ने नहीं सट्टा का कारोबार करने वाले कालूराम पाटीदार ने की है।

लिया संकल्प

वहीं युवक ने माही की गूंज कार्यालय में आकर यह एक अच्छा संकल्प लिया कि, मैं जीवन में कभी भी सट्टा का संचालन नहीं करूंगा और उक्त पूरे मामले को गूंज प्रतिनिधि को बताया। अब पुलिस अपनी सफाई जनमानस को क्या देती है यह अलग बात है। परंतु पुलिस की इस प्रकार की कार्रवाई को निंदनीय ही कहा जा सकता है।

एसपी को हत्या की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद भी नहीं हुआ मामला दर्ज, सीएम हेल्पलाइन में शिकायत के बाद पुलिस आई हरकत में

पिड़ित परिवार से शिकायत लेने का बनाया दबाव, मना करने के बाद पुलिस ने कार्रवाई का दिया आश्वासन, करवाएं 164 के बयान

मामलाः एक विवाहिता को पति द्वारा प्रताड़ित कर उतारा मौत के घाट, नाबालिक बच्चों ने दिए बयान

माही की गूंज, झाबुआ।

पुलिस व प्रशासनिक की कार्रवाई व लचर व्यवस्था को देखते हुए यही कहा जा रहा है कि, क्या जनसुनवाई या सीएम हेल्पलाइन शिकायत योजना की व्यवस्था सरकार नहीं करती तो शायद किसी भी पीड़ित की सुनवाई ही नहीं होती। हम भले ही समाज में एक महिला को उच्च स्थान देकर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अनेकों आयोजन कर व उसका सम्मान कर अपने आपको महिला सम्मान करने का उच्च स्थान प्राप्त करने की होड़ कर रहे हैं, लेकिन असल कुछ और ही है। अगर झाबुआ जिले की ही बात करें तो यहां महिलाओं का अपमान, उनका शोषण व प्रताड़ित कर उनकी हत्या तक की जा रही है। मामले सामने आने के बाद भी पीड़ितों की सुनवाई नहीं हो रही है और हम बात कर रहे हैं महिला सम्मान की। मामला पेटलावद जनपद के रायपुरिया थाना क्षेत्र की झकनावदा चौकी के अंतर्गत ग्राम बिंजौरी का है। बिजौरी निवासी रमेश बघेल की शादी खवासा निवासी कोदूराम पिता बगदीराम परमार की पुत्री जया के साथ हुई थी, दोनों की एक 13 वर्षीय पुत्री व 10 वर्षीय पुत्र भी है।

पति के अन्य महिला के साथ संबंध होने से होता था विवाद, पत्नी को करता था प्रताड़ित

पिड़ित परिवार कर रहा न्याय की गुहार

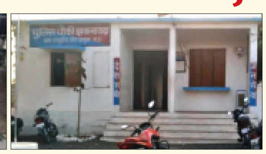

बताया जा रहा है कि, रमेश का अन्य एक महिला से अवैध संबंध था जिसको लेकर पत्नी जया आपत्ति जताती थी, जिस पर पति रमेश पत्नी को बच्चों के सामने ही विवाद कर बुरी तरह से मारता था और प्रताड़ित करता था। कई बार विवाद के बढ़तें रमेश, जया के साथ उसके माता-पिता व भाई परिवार पर भी दबाव बनाता था कि, अगर मेरे अवैध संबंध को उजागर किया तो उजागर होने पर महिला पक्ष वाले जो भी भांजगड़ी कर पैसा मांगेंगे, वह 5-10 लाख आपको ही देना पड़ेंगे। रोज-रोज के विवाद से जया भी परेशान हो चुकी थी। 25 दिसंबर 2020 को दोनों लड़के-लड़की के अनुसार जया से उसके पिता रमेश बघेल ने हमेशा की तरह विवाद किया और मारा भी, साथ ही जान से मारने के लिए बच्चों के सामने ही मां जया पर पिता रमेश ने पेट्रोल से भरी केन लाकर पेट्रोल डालकर जान से मारने का प्रयास किया, लेकिन बच्चों ने बीच-बचावकर अपनी मां की जिंदगी एक दिन के लिए बचा ली।

दूसरे दिन 26 दिसंबर को बड़ी बच्ची पढ़ाई करने के लिए स्कूल चली गई तो वही छोटा पुत्र घर पर ही था, उसके सामने ही पिता ने उसकी मां का गला दबाकर पलंग पर पटक दिया और बाद में उसे कीटनाशक दवाई पिला दी। जिसके काफी देर बाद उपचार हेतु सरदारपुर (धार) ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मामले की शिकायत 2 जनवरी को दोनों लड़के-लड़की द्वारा उनके नाना-नानी एवं मामा को बताने के बाद झकनावदा पुलिस चौकी में शिकायत की, लेकिन वहां से कोई कार्रवाई की उम्मीद नहीं दिखी तो 5 जनवरी को पीड़ित जया के पिता कोदूराम ने एसपी झाबुआ को कार्रवाई हेतु शिकायत की।

पुलिस वाहन चालाक रहने से रमेश की पुलिस में है पह चान

रमेश बघेल पुलिस वाहन चालक था, वही बिंजौरी अपने गांव में अवैध शराब के साथ पेट्रोल-डीजल का भी व्यापार करता है, जिससे पुलिस में अच्छी खासी पहचान रमेश रखता है। इसीलिए रायपुरिया-झकनावदा पुलिस ने मामले को हल्के में लेकर रमेश को सहयोग प्रदान करते हुए कार्रवाई में ढील-पोल व आनाकानी करती रही। एसपी को शिकायत के 20 दिन बाद झकनावदा पुलिस ने दोनों नाबालिग बच्चों के बयान चौकी पर बुलाकर लिए। बयान के दौरान भी बच्चों के आने की जानकारी रमेश को पुलिस द्वारा मिल गई तो, बच्चों के बयानों को प्रभावित करने के लिए बयान के दौरान पुलिस चौकी में पिता रमेश को बच्चों के साथ खड़ा रहने की परमिशन दे दी। जो किं, कानूनन अपराध होकर पुलिसकर्मी स्वतः आरोपी की श्रेणी में आ जाता है।

बच्चों ने उसके पिता के सामने भी पिता की करतूतों व मां की हत्या उसके पिता द्वारा ही की गई है के बयान दिए। चौकी से जैसे ही बच्चे बाहर निकले तो पिता ने अपने काले कर्मों को सामने आते देख, पुलिस के सामने ही लड़की का गला दबाने कि कोशिश की और कहने लगा, तुमने बयान अच्छे दिए हैं अब मैं तुम्हें नहीं छोऊंगा। जिसके बाद लड़की के नाना-नानी व मामा ने रमेश से लड़की को छुड़वाया।

बयान के बाद नहीं हुई कार्रवाई तो सीएम हेल्पलाइन पर की शिकायत

बयान होने के बाद भी कार्रवाई नहीं होने पर पीड़ित ने 23 फरवरी को सीएम हेल्पलाइन में शिकायत क्रमांक 13420321 पर शिकायत की जिसके बाद रायपुरिया-झकनावदा पुलिस हरकत में आई और सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत वापस लेने के लिए टीआई तेजमल पवार ने पीड़ित के घर पुलिस जवान को भेजा और सीएम हेल्पलाइन से शिकायत लेने पर दबाव बनाया।

मामले में निष्पक्ष जांचकर कार्रवाई होने पर ही शिकायत वापस लेने की बात पीड़ित परिवार ने कहीं, जिस पर पुलिस जवान ने अपने अधिकारी से पीड़ित को बात करवाई। पुलिस अधिकारी अपनी मर्यादा भूल पीड़ित को ही उसकी मृत बेटी पर गलत लांछन के आरोप लगाकर उस पर ध्यान देने की नसीहत देने लगा व कार्रवाई में 10 वर्ष से भी लग जाते हैं कहने लगा। फिर भी पीड़ित परिवार ने सीएम हेल्पलाइन से शिकायत लेने से मनाकर दिया और पुलिस जवान चले गए।

पूरा मामला गूंज के सामने पीड़ित ने बताया, जिसकी जानकारी पुलिस को लगने पर पुलिस ने पीड़ित परिवार से कार्रवाई करने के नाम पर संधि की और बच्चों के बयान 164 में मान्य न्यायालय पेटलावद में करवाएं व पीड़ित परिवार ने सीएम हेल्पलाइन से अपनी शिकायत ली।

अभी भी मामला अधर में

अभी भी जांच व सलाह के आधार पर मामला अधर में ही पुलिस ने रख रखा है। जांचकर्ता अधिकारी बीएस बिलोडे से जब बात की तो गूंज को बताया कि, बच्चों के बयान 164 में हो गए हैं जिसमें बच्चों ने स्पष्ट बताया कि, उसके पिता ने ही मां की हत्या की है यह सही है जिसे नहीं नकारा जा सकता है, पर डीपीओ को सलाह हेतु मामला भेजा है उनकी सलाह आने का इंतजार किया जा रहा है, जो भी होगा तीन-चार दिन में हो जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422